



नई शिक्षा नीति

2020

संभावनाएं एवं चुनौतियां

अनामिका चौहान
किरन शर्मा

अनुक्रमणिका

मूमिका

1. नई शिक्षा नीति से शिक्षा के माध्यम में परिवर्तन की सम्भावनाएँ
विशाल कुमार तायी
अमिताभ भट्ट 1
2. महिला सशक्तिकरण एवं नई शिक्षा नीति
डॉ. विक्रम सिंह 9-12
3. नई शिक्षा नीति 2020 : नीति, नीयत और नियम
डॉ. कृष्णा भारती 13
4. भारत की नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 : संभावनाएँ और चुनौतियाँ
डॉ. देवपाल
एकता चौहान 17
5. प्रारम्भिक राष्ट्रीय शिक्षा नीति : एक अवलोकन
प्रो. जगेन्द्र सिंह रावत 24
6. सुरक्षा ई-लर्निंग और क्रिप्टोग्राफी
विपिन कुमार 29
7. राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 : नव भारत निर्माण की मजबूत आधारशिला
पंकज कुमार 40
8. राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 : गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और चुनौतियाँ
डॉ. सत्यवीर सिंह
श्रीमती मिनाक्षी 49
9. नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति और आज की जमीनी सत्यता का एक अध्ययन
विमलेश
डॉ. हरीश कुमार 55
10. नयी शिक्षा नीति 2020 : संभावनाएँ और चुनौतियाँ
प्रियंका शर्मा 61

2

महिला सशक्तिकरण एवं नई शिक्षा नीति

डॉ. विक्रम सिंह*

भारत में सैद्धान्तिक रूप में आज भी, और हमेशा से ही, नारी की मर्यादा हैं। और उनका आदर हुआ है। कहा जाता है, कि समाज में नारी का स्थान और मर्यादा वही है, जो पुरुष की है, - न कम न अधिक। हिन्दू आदर्श के अनुसार, स्त्रियों अर्द्धांगिनी कही गयी है। हिन्दू समाज में मातृत्व का आदर है। सर्वानियन्ता भगवान की शक्तियों का लक्ष्मी, सरस्वती, दुर्गा, काली आदि नारी रूपों में वर्णन किया है। इस प्रकार नारी शक्ति, धन और ज्ञान का प्रतीक मानी गई हैं। वे हमारी राष्ट्रीयता का भी प्रतीक हैं। परन्तु यह सब कुछ होते हुए व्यवहारिक रूप भारत में स्त्रियों की स्थिति विभिन्न कालों में उठती और गिरती रही है। मध्यकालीन युग में तो स्त्रियों की स्थिति अत्यधिक दण्डनीय थी, पर आधुनिक समय में उनकी नियोग्यताएँ कम नहीं हुई, अर्थात् उनकी स्थिति अधिक नहीं सुधरी।

स्वतन्त्रता प्राप्ति तक भारतीय समाज में स्त्रियों अनेक नियोग्यताओं का शिकार थी। जैसे शिक्षा प्राप्त करने से वंचित, पर्दा-प्रथा, विचवा माताओं का समाज में अवहेलना, राजनीतिक क्षेत्र में प्रतिभाग न करना, सम्पत्ति सम्बन्धी अधिकार, व्यवहारिक रूप में न होना आदि थे।

महिला, समाज का लगभग आधा हिस्सा है। महिलाओं के बिना घर, परिवार, समाज या देश

*असिस्टेंट प्रोफेसर, समाजशास्त्र विभाग, राजकीय महाविद्यालय, चिन्वालीसीड.

ISBN : 978-81-949514-5-2

© संपादक



प्रकाशक

नालंदा प्रकाशन

C-5/189 नमुना विहार, दिल्ली-110053

T : +91-315194807, 91-9968082809

E: nalanadapublishing@gmail.com

प्रथम संस्करण- 2021

अक्षर सयोजक

दीपिका शर्मा, दिल्ली-94

इस पुस्तक के सर्वाधिकार सुरक्षित हैं। लेखक की लिखित अनुमति के बिना इसके किसी भी अंश को, फोटोकॉपी एवं डिजिटल
रहित इलेक्ट्रॉनिक अथवा मशीनी, किसी भी माध्यम से, अथवा ज्ञान के संरक्षण एवं पुनर्प्रयोग की इच्छा से, किसी भी रूप में,
पुनर्प्रकाशित अथवा संशोधित- प्रकाशित नहीं किया जा सकता। इस पुस्तक में उद्धृत विचार लेखक के अपने हैं।

Nai Silesha Niti 2020 : Sambhavnae Avam Chunotiya

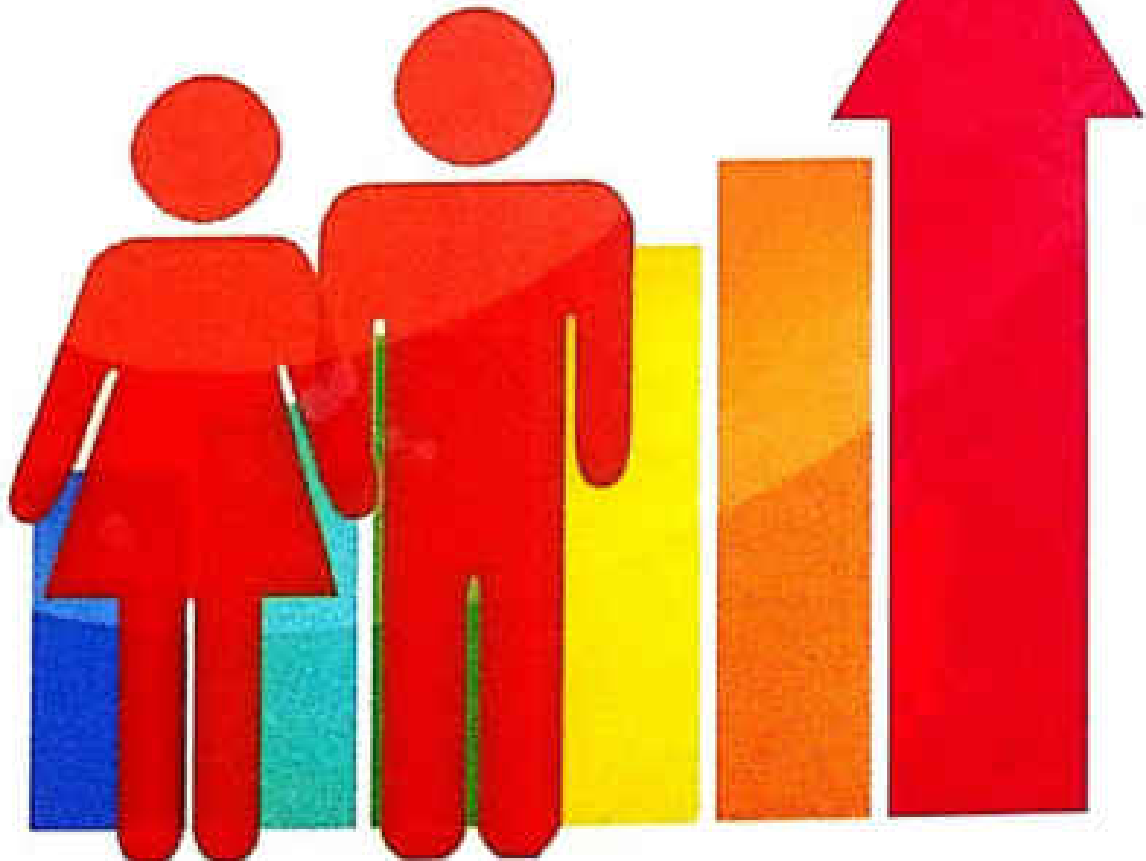
By - Anamika Chauhan

Dr. Kiran Sharma



भारत में जनसंख्या वृद्धि समस्या एवं चुनौतियाँ

डॉ. नीशू कुमार



ISBN : 978-93-91018-72-6

© संपादक



प्रकाशक

नालंदा प्रकाशन

C-5/189 गमुना विहार, दिल्ली-110053

☎ : +9968082809, 9315194807

✉: nalandaaparakashan@gmail.com

प्रथम संस्करण- 2022

अक्षर सयोजक

दीपिका शर्मा, दिल्ली-94

मुद्रक

टाईडेंट इटरप्राइजेज, दिल्ली-32

इस पुस्तक के सर्वाधिकार सुरक्षित हैं। प्रकाशक की लिखित अनुमति के बिना इसके किसी भी अंश को, फोटोकॉपी एवं रिकॉर्डिंग सहित इलेक्ट्रॉनिक अथवा मशीनी, किसी के माध्यम से, अथवा ज्ञान के संग्रहण एवं पुनर्प्रयोग की प्रणाली द्वारा, किसी भी रूप में, पुनरुत्पादित अथवा संशोधित- प्रसारित नहीं किया जा सकता।

Bharat Mai Jansankhya Vardhi : Samshya Evam Chunotiya
by Dr. Nishu Kumar

अनुक्रमणिका

भूमिका

प्राक्कथन

1. भारत में जनसंख्या वृद्धि : समस्या एवं चुनौतियों पर एक विमर्श 1
डॉ. नीशू कुमार
2. जनसंख्या, गतिशील विकास और पर्यावरण 6
अजय कुमार
3. जनसंख्या और पर्यावरण 13
डॉ. श्री भगवान सिंह
4. जनसंख्या और सीमित संसाधन: एक भौगोलिक अध्ययन 19
दुर्गेश राय
5. भारत में जनसंख्या वृद्धि : कारण और निवारण 22
डॉ. फैजान अहमद
6. बढ़ती जनसंख्या के पर्यावरणीय प्रभाव : एक अवलोकन 33
डॉ. हर्षी खण्डूड़ी
7. महिला शिक्षा का जनसंख्या पर प्रभाव 42
हिना एस. रावेट
8. पुराणों में जनसंख्या बनाम धार्मिक स्थितियों का विमर्श 49
डॉ. कुमुद कुमार पाण्डेय

33. भारत में बढ़ती जनसंख्या की समस्या का ऐतिहासिक अध्ययन 241
दिवाकर मिश्रा
डॉ. हरीश कुमार
34. भारत में जनसंख्या विस्फोट और बहुमत की राजनीति 246
डॉ. भगवती प्रसाद पुरोहित
35. भारत में बढ़ती जनसंख्या का भारत के विकास पर प्रभावों का एक अध्ययन 260
पवनेश कुमार
डॉ. शगुप्ता परवीन
36. भारत में जनसंख्या वृद्धि के कारण: एक अध्ययन 266
रितेश कुमार सिंह
डॉ. हरीश कुमार
37. जनसंख्या वृद्धि एवं संरचना (उत्तराखण्ड के विशेष संदर्भ में) 274
डॉ. सचिन रस्तोगी
38. भारत में बढ़ती जनसंख्या कामकाजी महिलाओं के लिये एक समस्या 280
सुनीता नीरंकारी
डॉ. हरीश कुमार
39. जनसंख्या वृद्धि एवं निर्धनता का राष्ट्रीय हितों पर प्रभाव 286
डॉ. त्रिमुख सिंह
40. पर्यावरण एवं जनसंख्या : एक विश्लेषण 294
डॉ. विद्या वर्मा
41. जनसंख्या वृद्धि : स्वास्थ्य और स्वास्थ्य 303-304
डॉ. विक्रम सिंह
42. जनसंख्या शिक्षा एवं भारत 310
डॉ. कविता पाठक
43. जनसंख्या नियन्त्रण हेतु निर्मित आदर्श नीतियाँ एवं उनकी यथार्थ स्थिति 318
कीर्तिराम डंगवाल
44. जनसंख्या वृद्धि की विस्फोटक स्थिति और घटते संसाधन 328
डॉ. मदन लाल शर्मा

41.

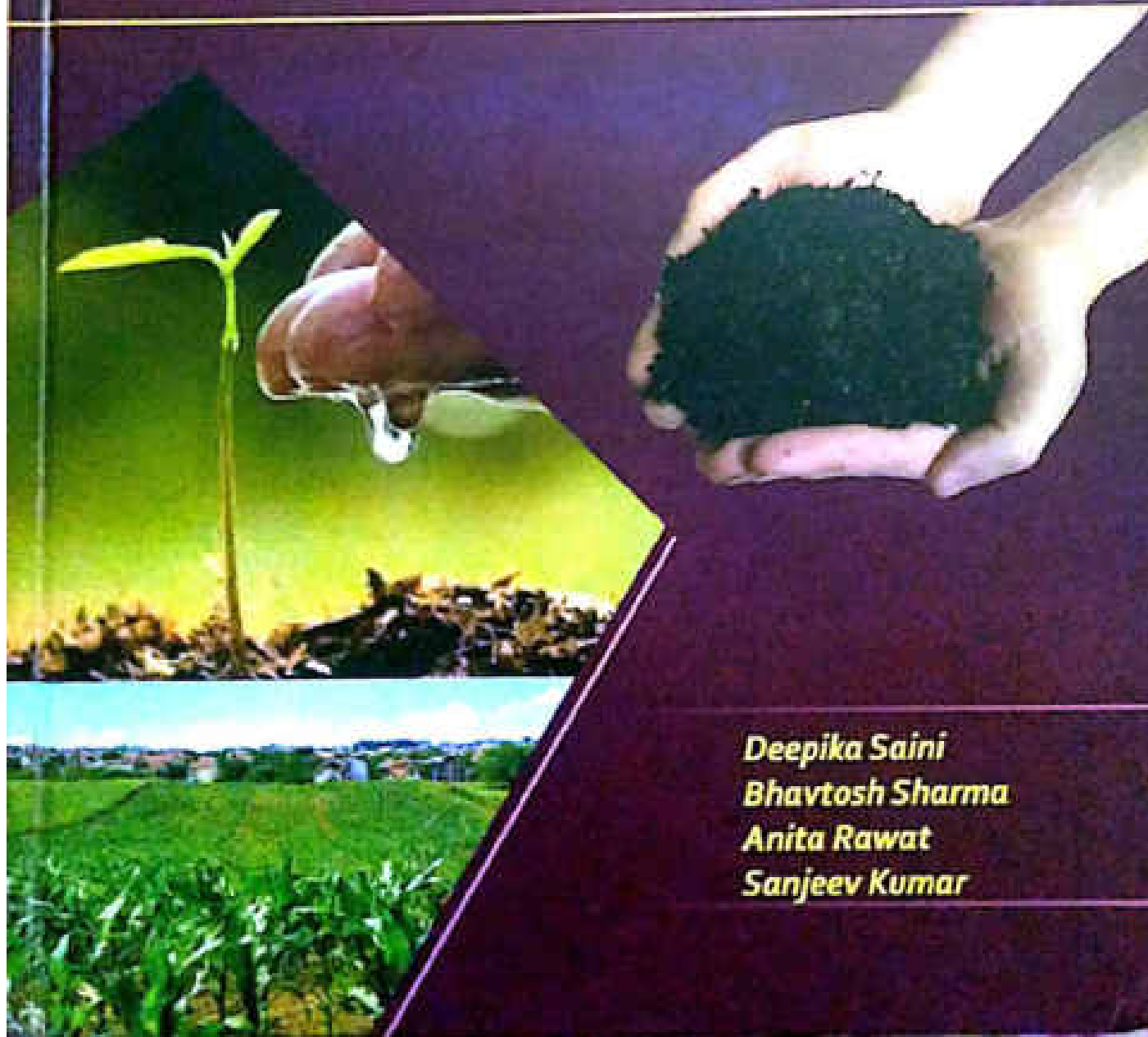
जनसंख्या वृद्धि : स्वास्थ्य और स्वास्थ्य

डॉ. विक्रम सिंह*

समाज में प्रत्येक व्यक्ति का हर सम्भव प्रयास रहता है कि वह अपने को स्वस्थ रखें। अतः सदैव स्वस्थ एवं निरोग रहने की प्रवृत्ति ही मनुष्य को सुखी तथा प्रभावकारी जीवन व्यतीत करने में सहायक होती है। मनुष्य उत्तम स्वास्थ्य पाकर ही अपने परिवार, समाज एवं राष्ट्र के कल्याण, उत्थान एवं आर्थिक उन्नति में अपना योगदान दे सकता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार उस व्यक्ति में अच्छा स्वास्थ्य विद्यमान है जिसमें सम्पूर्ण शारीरिक, मानसिक तथा सामाजिक कुशलता पाई जाती है। इस संगठन का यह भी कहना है कि वह व्यक्ति जो अपने परम्परागत प्राप्त आनुवांशिक सम्पत्ति के छिपे हुए गुणों को यथासम्भव पूर्ण रूप से अभिव्यक्त करने का प्रयास करता है। वह तभी सम्भव हो पाता है जब व्यक्ति के लिए ऐसा वातावरण उपस्थित हो जिसकी सहायता से अपने आनुवांशिक सदगुणों को बदल सकें तथा उनको मूर्त रूप दे सकें। उत्तम सफल तथा सन्तोशप्रद जीवन जीने के लिए यह आवश्यक है कि प्रत्येक व्यक्ति अच्छा स्वास्थ्य पाने के लिए अधिक प्रयास

*असिस्टेंट प्रोफेसर, समाजशास्त्र विभाग, राजकीय महाविद्यालय, चिन्वालीसोड, उत्तरकाशी।

Recent Advances in Soil and Water Education and Research



*Deepika Saini
Bhavtosh Sharma
Anita Rawat
Sanjeev Kumar*

The responsibility for facts stated, opinion expressed or conclusions reached and plagiarism, if any, in this book is entirely that of the author(s). Neither the publisher nor the editors will be responsible for them whatever.

ISBN : 978-93-94424-24-1

Copyright : Editors

Edition 2022



Published by

ABS Books

Publisher and Exporter

B-21, Ved and Shiv Colony, Budh Vihar

Phase-2, Delhi - 110086

☎ : +919999868875, +919999862475

✉ : absbooksindia@gmail.com

Website : www.absbooksindia.com

PRINTED AT

Trident Enterprise, Noida (UP)

Overseas Branches

ABS Books

Publisher and Exporter

Yucai Garden, Yuhua Yuxiu

Community, Chenggong

District, Kunming City,

Yunnan Province -650500

China

ABS Books

Publisher and Exporter

Microregion Alamedin-1

59-10 Bishek, Kyrgyz

Republic- 720083

kyrgyzstan

All right reserved. No. Part of this publication may be reproduced, stored in a retrieval system, transmitted or utilized in any form or by any means electronic, mechanical, photocopying, recording or otherwise, without the prior permission of the copyright owner Author/Editors. Application for such permission should be addressed to the Publisher and Author/ Editors. Please do not participate in or do not encourage piracy of copyrighted materials in violation of the author's rights. Purchase only authorized editions.

Recent Advances in Soil and Water Education and Research

By : Dr. Deepika Saini

Dr. Bhavtosh Sharma

Prof. (Dr.) Anita Rawat

Dr. Sanjeev Kumar

CONTENTS

Foreword

Acknowledgement

Preface

1. **Analytical Microbiological Methods for the Assessment of the Water Quality** 1

Saif Ali

Bhavtosh Sharma

Anita Rawat

Deepika Saini

2. **Parameters Affecting Quality of Soil and Irrigation Water** 12

Kanwal Jeet

Dr. Bhavtosh Sharma

Dr. Deepika Saini

3. **Role of Media in Water Resource Management: An Initiative for Future Generation** 28

Gourav Kumar Singh

Jyoti Bhadouria

Swapnil Rai

Kuldip Dwivedi

4. **Water Crisis in the Himalayan Region: Addressing and Tackling the Issue** 35

Rajni Lasyal

Brijesh Chauhan

4.

Water Crisis in the Himalayan Region: Addressing and Tackling the Issue

Rajni Lasyal*

Brijesh Chauhan**

Introduction

“Water, water, everywhere, Nor any drop to drink.”

— Samuel Taylor Coleridge.

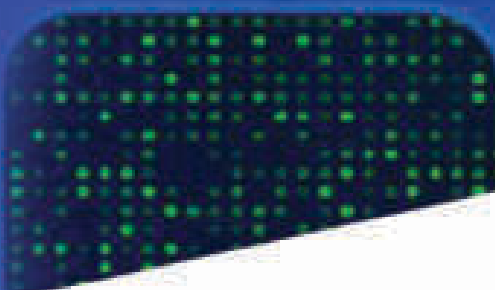
The Rime of the Ancient Mariner

This statement from the sonnet, “The Rime of the Ancient Mariner” by Samuel Taylor Coleridge sounds valid for the Himalayan district - the residence of snow, which is significant wellspring of new water for India’s enduring waterways, for example, the Ganga and the Brahmaputra.^[1] There are numerous unanswered inquiries with regards to adequate inventory of safe drinking water to the general populace of the district. There is intense deficiency of water particularly during the dry seasons; what the reasons are, is difficult to fathom. Many water plans are presently

*Department of Chemistry, Rajkiya Mahavidyalaya, Chinyalisaur, Uttarkashi, India.

**Department of Zoology, Rajkiya Mahavidyalaya, Chinyalisaur, Uttarkashi, India.

TRANSLATING ANIMAL SCIENCE RESEARCH



Biomedical Research, Medicine, and Disease

EDITED BY

R.C. Sobti

Aastha Sobti

 **CRC Press**
Taylor & Francis Group

First edition published 2023

by CRC Press

6000 Broken Sound Parkway NW, Suite 300, Boca Raton, FL 33487-2742

and by CRC Press

4 Park Square, Milton Park, Abingdon, Oxon, OX14 4RN

CRC Press is an imprint of Taylor & Francis Group, LLC

© 2023 selection and editorial matter, R.C. Sobti and Aastha Sobti; individual chapters, the contributors

Reasonable efforts have been made to publish reliable data and information, but the author and publisher cannot assume responsibility for the validity of all materials or the consequences of their use. The authors and publishers have attempted to trace the copyright holders of all material reproduced in this publication and apologize to copyright holders if permission to publish in this form has not been obtained. If any copyright material has not been acknowledged please write and let us know so we may rectify in any future reprint.

Except as permitted under U.S. Copyright Law, no part of this book may be reprinted, reproduced, transmitted, or utilized in any form by any electronic, mechanical, or other means, now known or hereafter invented, including photocopying, microfilming, and recording, or in any information storage or retrieval system, without written permission from the publishers.

For permission to photocopy or use material electronically from this work, access www.copyright.com or contact the Copyright Clearance Center, Inc. (CCC), 222 Rosewood Drive, Danvers, MA 01923, 978-750-8400. For works that are not available on CCC please contact mpkbookspermissions@tandf.co.uk

Trademark notice: Product or corporate names may be trademarks or registered trademarks and are used only for identification and explanation without intent to infringe.

Library of Congress Cataloging-in-Publication Data

Names: Sobti, R. C., editor. | Sobti, Aastha, editor.

Title: Biomedical research, medicine and disease / edited by RC Sobti and Aastha Sobti.

Other titles: Translating animal science research (Series)

Description: First edition. | Boca Raton : CRC Press, 2023. |

Series: Translating animal science research | Includes bibliographical references and index.

Identifiers: LCCN 2022030531 (print) | LCCN 2022030532 (ebook) |

ISBN 9781032115498 (hardback) | ISBN 9781032115504 (paperback) |

ISBN 9781003220404 (ebook)

Subjects: MESH: Translational Research, Biomedical

Classification: LCC R852 (print) | LCC R852 (ebook) |

NLM W 20.55.T7 | DDC 610.72/4--dc23/eng/20221110

LC record available at <https://lccn.loc.gov/2022030531>

LC ebook record available at <https://lccn.loc.gov/2022030532>

ISBN: 9781032115498 (hbk)

ISBN: 9781032115504 (pbk)

ISBN: 9781003220404 (ebk)

DOI: 10.1201/9781003220404

Typeset in Times New Roman

by Newgen Publishing UK

Contents

Preface.....	xxiii
Acknowledgments.....	xxv
Editor Biographies	xxvii
List of Contributors.....	xxix

Section I Advancement in Techniques in Biomedical Science

1 Recent Advancements in Biomedical Sciences and Their Healthcare Applications.....	3
<i>Reena Sharma, Mukesh Prasad, and Samir Mehndiratta</i>	
1.1 Introduction	3
1.2 AI and ML in Disease Diagnostics and Prediction	4
1.3 AI in Drug Development.....	4
1.3.1 AI in Drug Design	4
1.3.2 AI in Polypharmacology.....	5
1.3.3 AI in Chemical Synthesis	5
1.3.4 AI in Drug Repurposing	6
1.3.5 AI in Drug Screening.....	7
1.4 Conclusion.....	7
References	7
2 Nanotechnology in Medicine: A Promising Future	9
<i>Rajni Lasyal, Nikhil Kirtipal, and R.C. Sobti</i>	
2.1 Introduction	9
2.2 Reviewing Nanotechnology in Biomedical Applications.....	9
2.2.1 PillCam	10
2.2.2 Drug Delivery	10
2.2.3 Biomarkers.....	10
2.2.4 Microbots.....	10
2.3 Cancer Detection and Treatment	11
2.3.1 Multiplexing and Immunoassays.....	11
2.4 Extracellular Cancer Biomarkers	12
2.4.1 Detection by mRNA and microRNA.....	12
2.4.2 DNA Methylation Detection.....	12
2.5 Nanotechnology for In Vivo Imaging.....	12
2.5.1 Challenges in Clinical Translation.....	12
2.6 Discussion	13
2.7 Conclusion.....	13
References	14
3 How Flow Cytometers Work: An Introduction for Biomedical Scientists	17
<i>William Telford</i>	
3.1 Introduction	17
3.2 Instrument Fluidics.....	17

2

Nanotechnology in Medicine: A Promising Future

Rajni Lasyal

Department of Chemistry, Rajkiya Mahavidyalaya, Chinyalisaur, India

Nikhil Kirtipal

Department of Science, Modern Institute of Technology, Rishikesh, India

R.C. Sobti

Department of Biotechnology, Panjab University, Chandigarh, India

2.1 Introduction

Nanotechnology is one of the most important emerging fields in medical sciences. In a broader sense, it is a field where the diverse fields of physics, chemistry, biology, materials science, and engineering converge at a scale ranging from 1 to 100 nanometers, essentially known as the nanoscale¹. Nanotechnology is the science of understanding and controlling atoms and molecules at nanoscale using a procedure called nano-manufacturing. The art of nano-manufacturing has brought about a revolution in the field of biomedical engineering where the nano-materials and devices are designed to interact with the body at sub-cellular level¹. A wide range of biomedical applications have been benefiting from nanotechnology, such as biosensors, drug and gene delivery, artificial cells, nanorobots for surgery, and many more. The most significant property of nanoparticles is the carbon strength, which is so tough that recently carbon nanotube bulletproof T-shirt/vests were manufactured.²

The medical application of nanotechnology is widely termed as nanomedicine. It ranges from medical applications of nanomaterials to nanoelectronics biosensors. The research and development of nanomedicine is broadly divided into three stages. The first impact of nanoscience on medicine is evolutionary. A second development is explicit and revolutionary, emphasizing great advances to be gained by radical new nanotechnology approaches. A third source of nanotechnology on medicine is indirect through the development and application of ever-improving nanotools and devices based on smaller and more precise technologies. These technologies impact research, diagnostics, and therapeutics.¹ Most of the nanotechnology applications in medicine are widespread. It starts with identification and validation and is extended up to the treatment.

2.2 Reviewing Nanotechnology in Biomedical Applications

Many medical nanotechnology applications are still in their infancy. However, an increasing number of products is currently under clinical investigation and some products are already commercially available, such as surgical blades and suture needles, contrast-enhancing agents for magnetic resonance imaging, bone replacement materials, wound dressings, anti-microbial textiles, chips for in vitro molecular diagnostics, microcantilevers, and microneedles.³ Here are some of the key technologies and trending impacts of medical nanotechnology.



Current Approaches in Science and Technology

Editors

Mr. Vipin Chandra

Dr. Sanjeev Lal

Dr. Mahendra Pal Singh Parmar

Co-Editors

Dr. Jai Laxmi Rawat

Dr. Richa Badhani

Dr. Aaradhna Chauhan

Dr. Purna Pokhriyal

Published by :

P.K. Publishers & Distributors

J-231/1A] Gali No. 14, 4th Pustha,
Kartar Nagar, Delhi-110053

Mobile: + 91 9540483251, + 91 7982551449

E-mail: pkpublication@gmail.com

Website: www.pkpublishers.com

Current Approaches in Science and Technology

© Authors

First Edition 2023

ISBN: 978-93-92239-58-8

Disclaimer: Views expressed and plagiarism if any are responsibility of respective authors. Publisher and Editors are neither responsible nor support the opinion expressed by authors. Copy right lies with respective authors.

All rights reserved no part of this work may be reproduced, stored in a retrieval system, or transmitted in any form or by any means, electronic, mechanical, photocopying, recording or otherwise, without the prior written permission of the Publisher.

This Book has been published in good faith that the material provided by author is original. Every effort is made to ensure accuracy of material but the publisher and printer will not be held responsible for any inadvertent errors.

PRINTED IN INDIA

Published by P.K Publishers & Distributors Delhi-110053, Laser Type setting at Shahabuddin Computers, Delhi. Printed at Sachin Printers, Delhi- 53

Contents

<i>Preface</i>	(v)
1. Modern Trends in the Indian Agriculture System: A Critical Review <i>-Dr. R.K. Dwivedi and Dr. Pawanika Chaudola</i>	1
2. Cyanobacteria: A Bio-resource <i>-Dr. Deepak Kumar Singh</i>	13
3. Indigenous Knowledge of Some Medicinal Plants and their Uses by Tribal Communities against Various Diseases <i>-Dr. Sanjeev Lal</i>	32
4. Landslide: A Curse to the Mountains (Think, Rethink.....) <i>-Brijesh Chauhan and Dr. Rajni Lasyal</i>	45
5. An Invasion of New Weeds in Uttarkashi District of Utrarakhand State by Nomadic Grazers <i>-Dr. Mahendra Pal Singh Parmar, Dr. Jai Laxmi Riwat, Dr. Richa Badhani, Dr. Sanjeev Lal, Vipin Chandra, Dr. Aaradhna Chauhan, Reena Shah & Dr. Prerana Pokhriyal</i>	58
6. Millets for Nutritional Security and Cultivation in Uttarakhand <i>-Dr Ashok Kumar Agarwal and Deepika Agrawal</i>	66

7. Comparative Study of Two Selected
Coagulants for Treatment of Different
Types of Wastewater 83
-Dr. Gita Saini and Praveen Kumar
8. Health and Hygiene: Overview 100
-Reena Shukla
9. Tropical Cyclone: Its Effects and Prediction 112
*-Neha Verma, Shivoli Kundan,
Zahid Nabi & Dr. Dinesh Kumar*
10. Environmental Education: Concept,
Objectives, Principles, and Role 121
-Dr. Harish Kumar Yadav
11. Green Marketing Challenges and
Opportunities in India 134
-Dr. Ganesht Choud
12. Effect of Salt Tolerance on Lentil
(*Lens esculenta*) Varieties
During Seed Germination and
Early Seedling Growth 146
-Dr. Magendra Pal Singh
13. Climate change and Extreme Weather
Events Over the Indian Subcontinent 156
*-Shivoli Kundan, Dr. Dinesh Kumar,
Poonam Kundan, Zahid Nabi, Neha Verma*
14. Physical Methods of Sterilization 169
-Dr. Manveer Singh Kanudri
15. A Traditional Method of Eco-Friendly
Natural Dyeing and its Decline after
the Invention of Synthetic Dye 193
-Dr. Jyoti Kundal and Dr. M.C. Purohit
16. प्राकृतिक आपदा एवं आपदा प्रबन्धन
(Natural Disaster and Disaster Management) 202
-Dr. Bachan Lal and Dr. M.P.S. Parwar

Landslide: A Curse to the Mountains (Think, Rethink.....)

-Brijesh Chauhan¹ and Dr. Rajni Laxmi²

Abstract

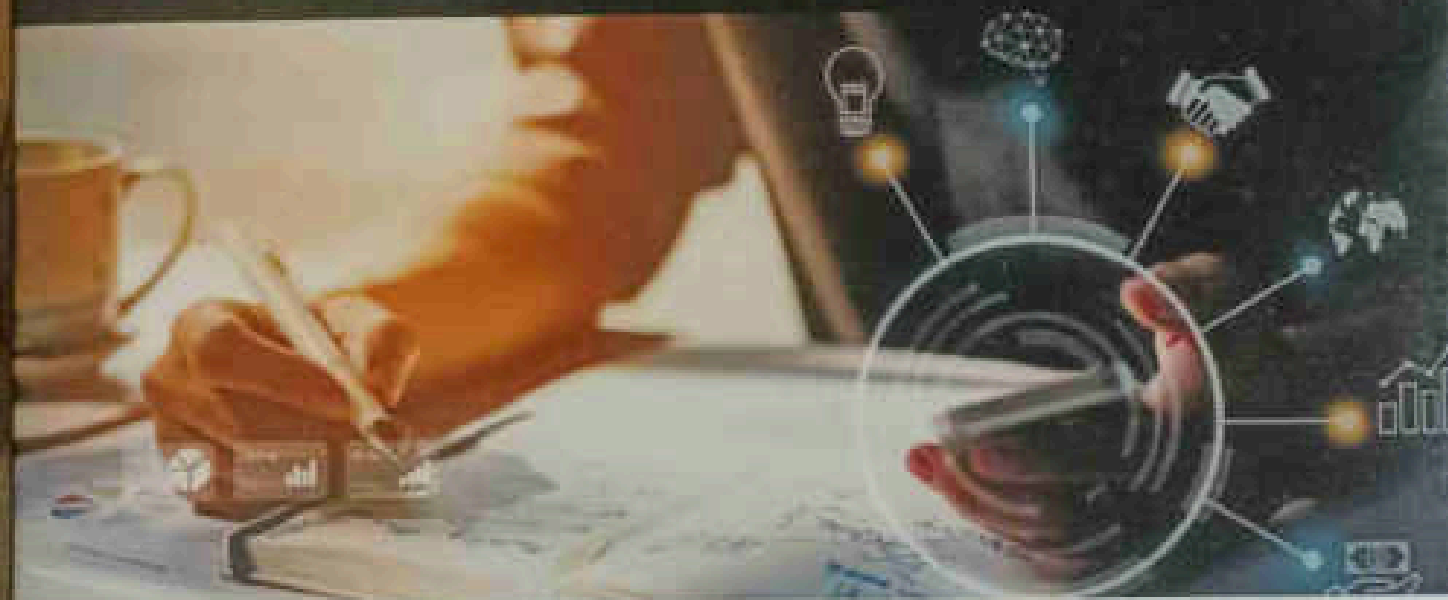
Landslides are one of the most common natural disasters that affect life and property almost every year. Landslides are caused by disturbances in the natural stability of the slope, which can be natural or man-made. Extensive deforestation in recent decades has disturbed sensitive areas of the Himalayas. The concentration of residential areas and the resulting logging, grazing and accidental fires have significantly reduced the area of the forest. The replacement

¹ Assistant professor, Department of Zoology, Rajkiya Mahavidyalaya Chinyalisaur, Uttarkashi, Uttarakhand, India-249196

² Assistant professor, Department of Chemistry, Rajkiya Mahavidyalaya Chinyalisaur, Uttarkashi, Uttarakhand, India-249196

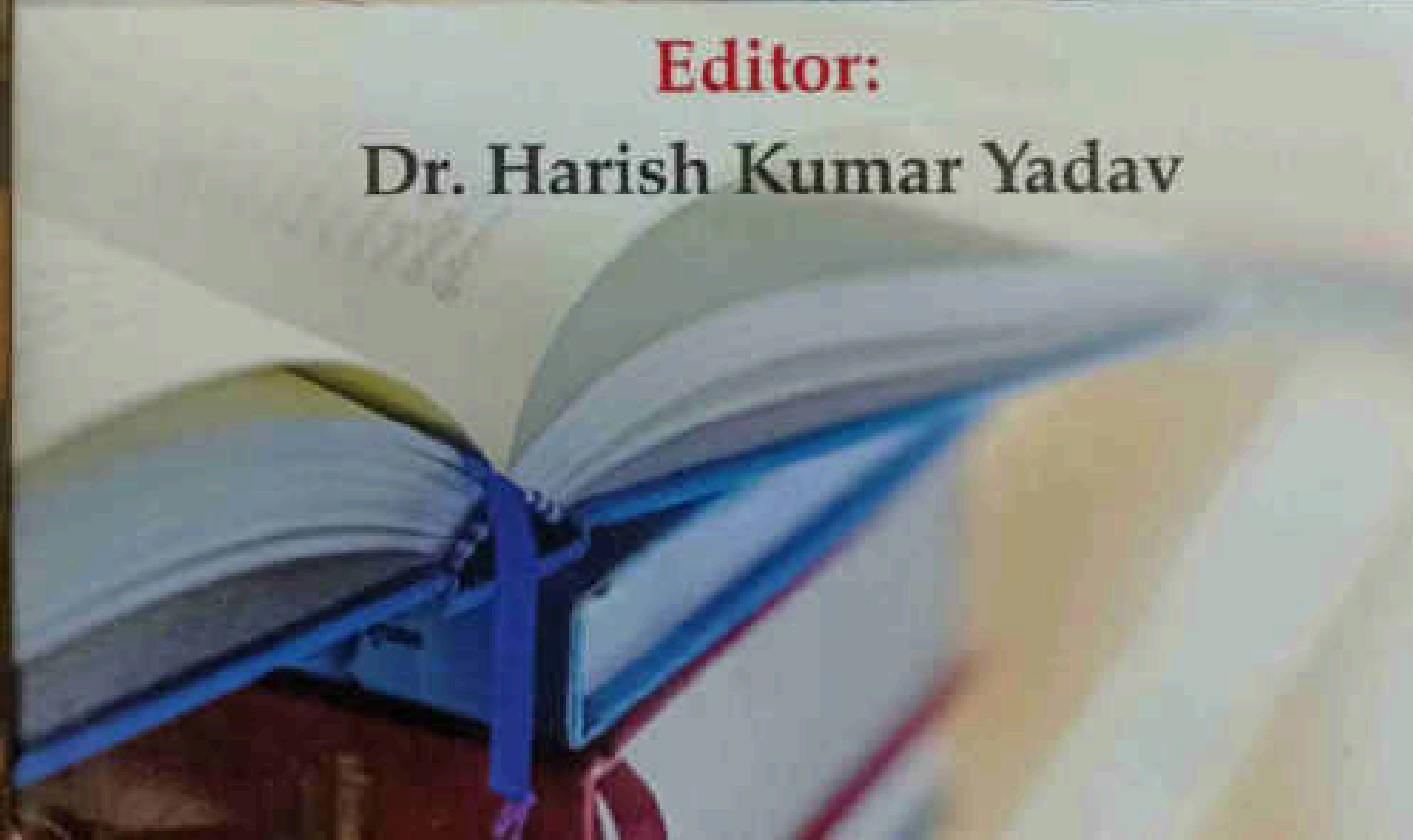
Corresponding Author: Mr. Brijesh Chauhan
Email address : bcbrijeshchauhan@gmail.com

Multidisciplinary Research and Approach (Past, Present, and Future)



Editor:

Dr. Harish Kumar Yadav



Published by :

P.K. Publishers & Distributors

J-231/1A] Gali No. 14, 4th Pustha,

Kartar Nagar, Delhi-110053

Mobile: + 91 9540483251, + 91 7982551449

E-mail: pkpublication@gmail.com

Website: www.pkpublishers.com

Multidisciplinary Research and Approach (Past, Present, and Future)

© Author

First Edition 2023

ISBN: 978-93-92239-70-0

All rights reserved no part of this work may be reproduced, stored in a retrieval system, or transmitted in any form or by any means, electronic, mechanical, photocopying, recording or otherwise, without the prior written permission of the Publisher.

This Book has been published in good faith that the material provided by author is original. Every effort is made to ensure accuracy of material but the publisher and printer will not be held responsible for any inadvertent errors.

PRINTED IN INDIA

Published by P.K Publishers & Distributors Delhi-110053, Laser Type setting at Shahabuddin Computers, Delhi. Printed at Sachin Printers, Delhi- 53

8. Training of Law Students and Lawyers on Accessing Justice Through Fast Track Special Courts 71
-*Pooran Chandra Paude*
9. Analysing the Function of Fast Track Courts Under Delivering Speedy Justice in Crime Against Women in India: A Critical Study 82
-*Gaurav Tewari*
10. Heavy Metal Remediation Utilizing Microalgae 93
-*Dr. Arshi Rastogi*
11. Innovation in Teaching-Learning Process 104
-*Dr. Kuldeep*
12. Political Empowerment of Women: Need, Current Status & Challenges 117
-*Ms Shalini Saxena & Dr Gaurav Rao*
13. मौर्यकाल की कला में नारी 129
-*Dr. Sumiti Saini*
14. पौराणिक सांस्कृतिक धरोहर : "कण्वाश्रम" 138
-*डॉ० पंचम सिंह रावत*
15. विकास में राजनीति और सोशल मीडिया की भूमिका 150
-*विनीत कुमार*
16. मानव मूल्य और संत साहित्य (संत कबीर के सन्दर्भ में) 159
-*डॉ० दीपा मद्देशिया*
17. सूक्ष्म शिक्षण का इतिहास 167
-*कुलदीप*
18. रवाई, जौनपुर और जौनसार की सामाजिक एवं सांस्कृतिक परंपराएं: एक विश्लेषणात्मक अध्ययन 174
-*खुरापाल*

विकास में राजनीति और सोशल मीडिया की भूमिका

विनीत कुमार

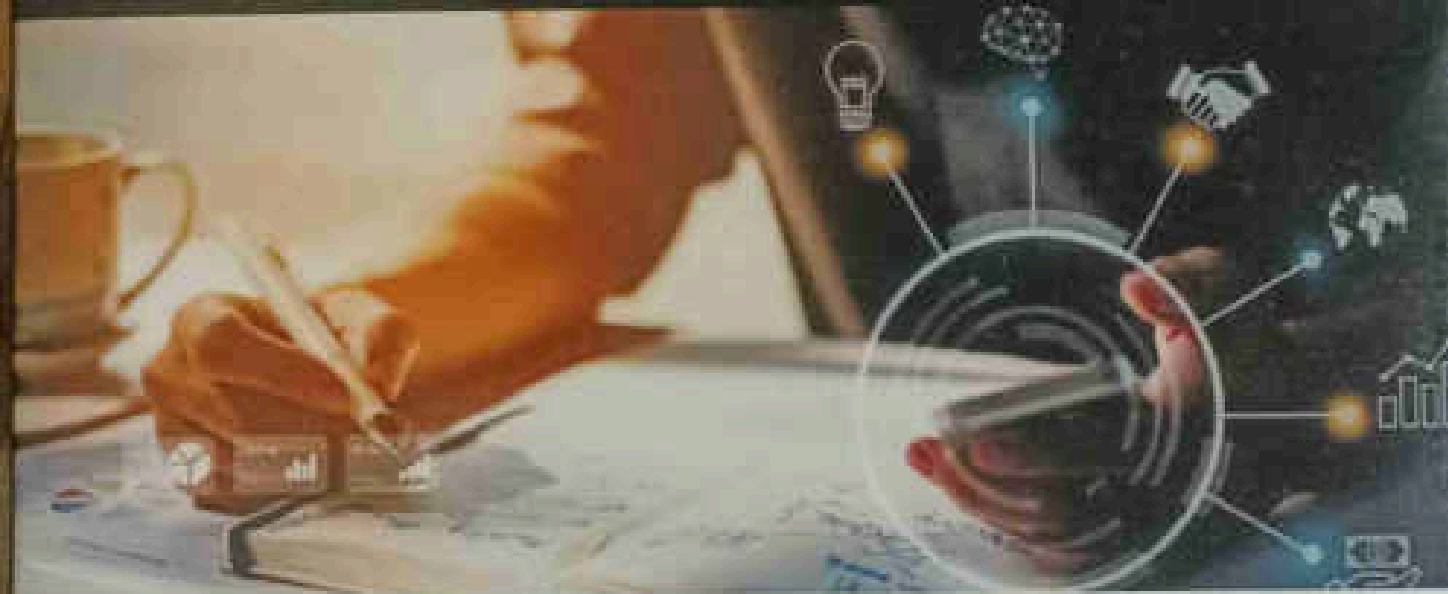
सारांश

विकास— उन्नति, प्रगति, कल्याण और बेहतर जीवन की अभिलाषा के विचारों का बाहक है। मानव विकास की अवधारणा लोगों को उनके जीवन में अर्थपूर्ण तरीके से विकल्पों को चुनने की अनुमति देती है। जिसकी पूर्व शर्त आहार, शिक्षा, स्वास्थ्य और आश्रय जैसी बुनियादी जरूरतों की पूर्ति है। विकास की प्राथमिकताओं व रणनीतियों का चयन और परियोजनाओं के वास्तविक कार्यान्वयन के सभी फैसले आम तौर पर राजनीतिक नेतृत्व और नौकरशाही के उच्चतर स्तरों पर होते हैं। लोकतंत्र में, संसाधनों को लेकर विरोध या बेहतर जीवन के बारे में विभिन्न विचारों के द्वंद्व का हल विचार—विमर्श और सभी के अधिकारों के प्रति सम्मान के जरिए होता है। इसलिए विकास में समाज के प्रत्येक व्यक्ति को साझीदार बनाने के लिए विकास की योजनाएँ बनाने और उसके कार्यान्वयन के तरीके ढूँढ़ने में भी

* असिस्टेंट प्रोफेसर (राजनीति विज्ञान), राजकीय महाविद्यालय, विश्वालीस्टॉड उताखण्डी।
Email: vky1804@gmail.com

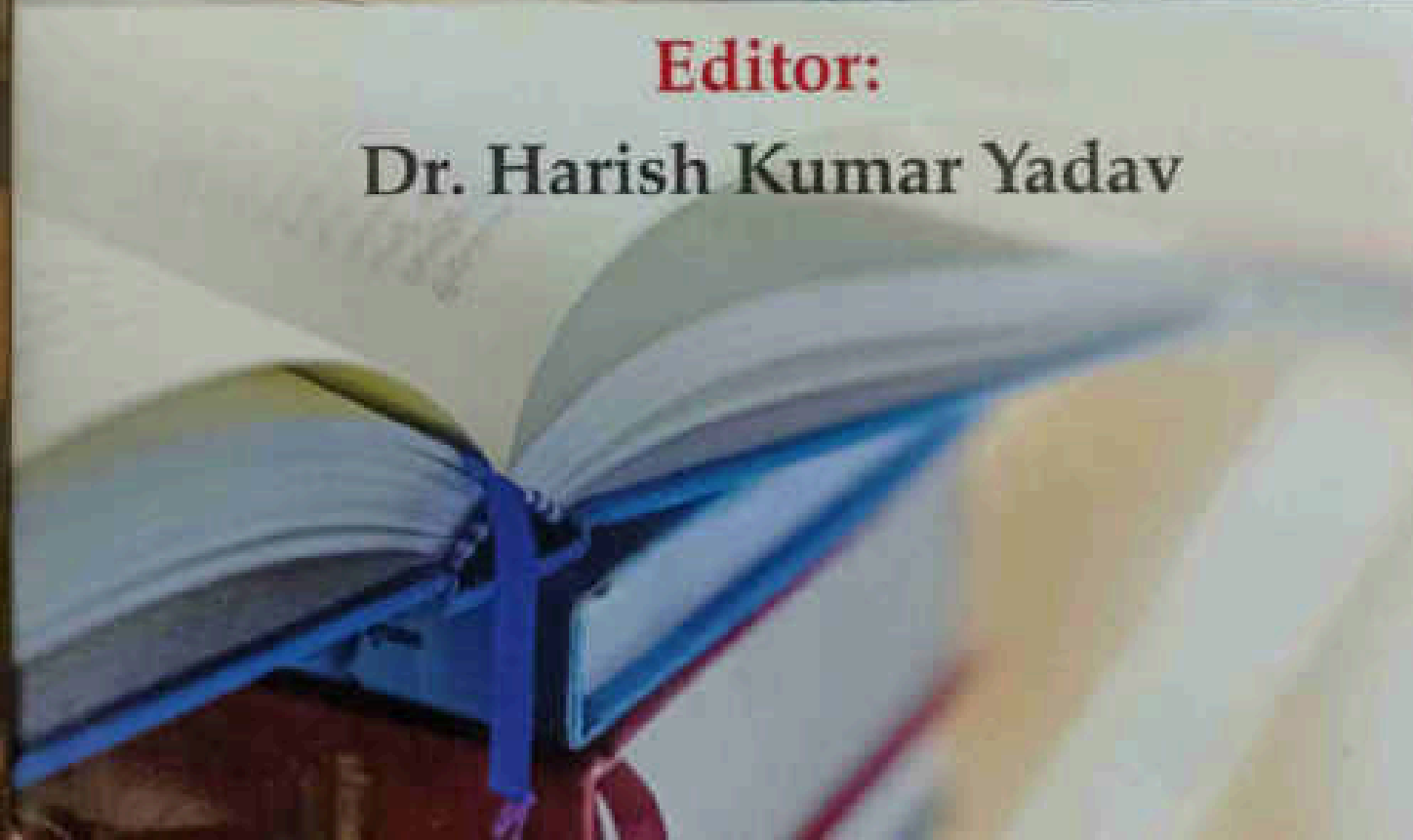
Multidisciplinary Research and Approach

(Past, Present, and Future)



Editor:

Dr. Harish Kumar Yadav



Published by :

P.K. Publishers & Distributors

J-231/1A] Gali No. 14, 4th Pustha,

Kartar Nagar, Delhi-110053

Mobile: + 91 9540483251, + 91 7982551449

E-mail: pkpublication@gmail.com

Website: www.pkpublishers.com

Multidisciplinary Research and Approach (Past, Present, and Future)

© Author

First Edition 2023

ISBN: 978-93-92230-70-0

All rights reserved no part of this work may be reproduced, stored in a retrieval system, or transmitted in any form or by any means, electronic, mechanical, photocopying, recording or otherwise, without the prior written permission of the Publisher.

This Book has been published in good faith that the material provided by author is original. Every effort is made to ensure accuracy of material but the publisher and printer will not be held responsible for any inadvertent errors.

PRINTED IN INDIA

Published by P.K Publishers & Distributors Delhi-110053, Laser Type setting at Shahabuddin Computers, Delhi. Printed at Sachin Printers, Delhi- 53

8. Training of Law Students and Lawyers on Accessing Justice Through Fast Track Special Courts 71
-*Pooran Chandra Paude*
9. Analysing the Function of Fast Track Courts Under Delivering Speedy Justice in Crime Against Women in India: A Critical Study 82
-*Gaurav Tewari*
10. Heavy Metal Remediation Utilizing Microalgae 93
-*Dr. Arshi Rastogi*
11. Innovation in Teaching-Learning Process 104
-*Dr. Kuldeep*
12. Political Empowerment of Women: Need, Current Status & Challenges 117
-*Ms Shalini Saxena & Dr Gaurav Rao*
13. मौर्यकाल की कला में नारी 129
-*Dr. Sumiti Saini*
14. पौराणिक सांस्कृतिक धरोहर : "कण्वाश्रम" 138
-*डॉ० पंचम सिंह रावत*
15. विकास में राजनीति और सोशल मीडिया की भूमिका 150
-*विनीत कुमार*
16. मानव मूल्य और संत साहित्य (संत कबीर के सन्दर्भ में) 159
-*डॉ० दीपा मद्देशिया*
17. सूक्ष्म शिक्षण का इतिहास 167
-*कुलदीप*
18. खाई, जौनपुर और जौनसार की सामाजिक एवं सांस्कृतिक परंपराएं: एक विश्लेषणात्मक अध्ययन 174
-*सुशमाल*

रवाँई, जौनपुर और जौनसार की सामाजिक एवं सांस्कृतिक परंपराएं: एक विश्लेषणात्मक अध्ययन

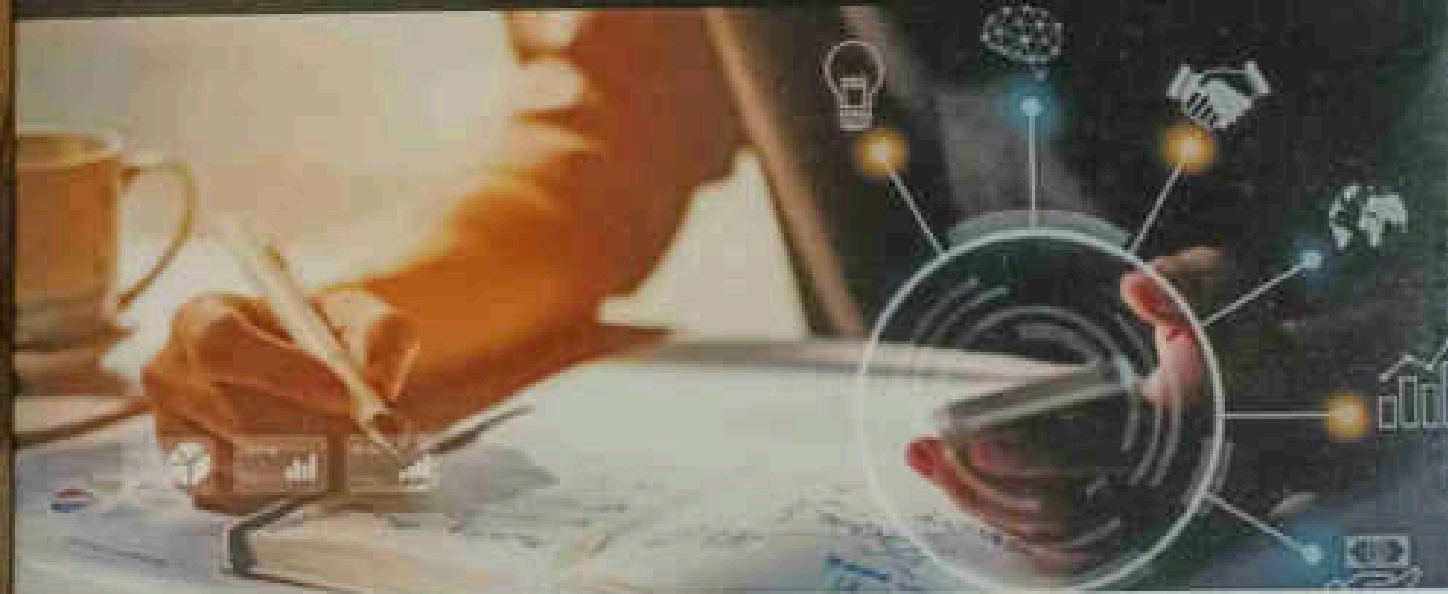
—**खुशपाल**—

उत्तराखंड के जौनपुर (टिहरी गढ़वाल) जौनसार— बाबर देहरादून और रवाँई (उत्तरकाशी) क्षेत्र की सामाजिक— सांस्कृतिक परंपराएं कमोवेश एक समान हैं। इनका रहन—सहन, खान—पान, रस्मों रिवाज एक दूसरे से मिलता जुलता है। राहुल सांकृत्यायन की मान्यता है कि जौनसार और जौनपुर के लोगों की रूपरेखा, रीति— रिवाज, वेशभूषा को देखकर 'जौन' को यवन (ग्रीक) से जोड़ने का लालच हो जाता है। किंतु और अधिक प्रमाण के बिना ऐसा निष्कर्ष निकालना उचित नहीं है। जौनसार और जौनपुर नाम में यमुना के समीप होने से 'जौन' जमुना के लिए ही आया हो सकता है। स्थानीय बोली में यमुनीत्री को जमुनीत्री और यमुना पुल (विकास नगर मार्ग पर) को जमुना पुल कहकर संबोधित किया जाता है। ऐसा प्रतीत होता है कि 'जौन' शब्द जमुना का ही पर्याय है। यमुना नदी

* असिस्टेंट प्रोफेसर इतिहास, राजकीय महाविद्यालय चिन्यालीसौंड, उत्तरकाशी

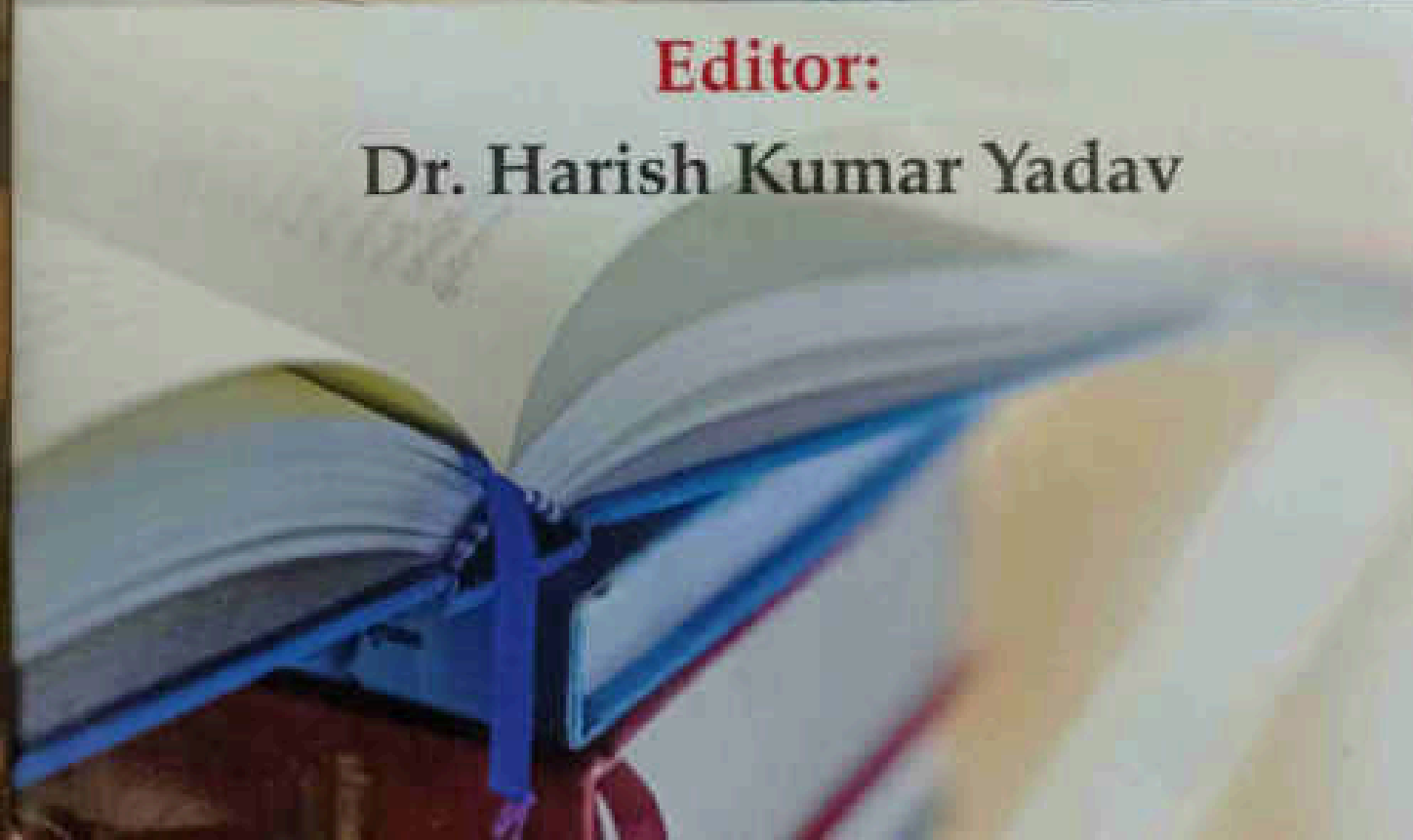
E-mail: khushpalpremi060@gmail.com

Multidisciplinary Research and Approach (Past, Present, and Future)



Editor:

Dr. Harish Kumar Yadav



Published by :

P.K. Publishers & Distributors

J-231/1A] Gali No. 14, 4th Pustha,

Kartar Nagar, Delhi-110053

Mobile: + 91 9540483251, + 91 7982551449

E-mail: pkpublication@gmail.com

Website: www.pkpublishers.com

Multidisciplinary Research and Approach (Past, Present, and Future)

© Author

First Edition 2023

ISBN: 978-93-92239-70-4

All rights reserved no part of this work may be reproduced, stored in a retrieval system, or transmitted in any form or by any means, electronic, mechanical, photocopying, recording or otherwise, without the prior written permission of the Publisher.

This Book has been published in good faith that the material provided by author is original. Every effort is made to ensure accuracy of material but the publisher and printer will not be held responsible for any inadvertent errors.

PRINTED IN INDIA

Published by P.K Publishers & Distributors Delhi-110053, Laser Type setting at Shahabuddin Computers, Delhi. Printed at Sachin Printers, Delhi- 53

8. Training of Law Students and Lawyers on Accessing Justice Through Fast Track Special Courts 71
-*Pooran Chandra Paude*
9. Analysing the Function of Fast Track Courts Under Delivering Speedy Justice in Crime Against Women in India: A Critical Study 82
-*Gaurav Tewari*
10. Heavy Metal Remediation Utilizing Microalgae 93
-*Dr. Arshi Rastogi*
11. Innovation in Teaching-Learning Process 104
-*Dr. Kuldeep*
12. Political Empowerment of Women: Need, Current Status & Challenges 117
-*Ms Shalini Saxena & Dr Gaurav Rao*
13. मौर्यकाल की कला में नारी 129
-*Dr. Sumiti Saini*
14. पौराणिक सांस्कृतिक धरोहर : "कण्वाश्रम" 138
-*डॉ० पंचम सिंह रावत*
15. विकास में राजनीति और सोशल मीडिया की भूमिका 150
-*विनीत कुमार*
16. मानव मूल्य और संत साहित्य (संत कबीर के सन्दर्भ में) 159
-*डॉ० दीपा मद्देशिया*
17. सूक्ष्म शिक्षण का इतिहास 167
-*कुलदीप*
18. रवाई, जौनपुर और जौनसार की सामाजिक एवं सांस्कृतिक परंपराएं: एक विश्लेषणात्मक अध्ययन 174
-*खुरापाल*

सूक्ष्म शिक्षण का इतिहास

कुलदीप

ज्ञान प्रदान करने की प्रक्रिया को शिक्षण कहते हैं अर्थात् जो भी हम किसी को सिखाते हैं वह सब शिक्षण के अंतर्गत आता है। शिक्षण को त्रिभुजा प्रक्रिया भी कहा जा सकता है जिसमें शिक्षक और विद्यार्थी पाठ्यक्रम के द्वारा अपने लक्ष्य को प्राप्त करते हैं अर्थात् किसी विषय वस्तु को माध्यम बनाकर शिक्षक और छात्र के बीच विचारों का आदान-प्रदान किया जाता है। शिक्षण हमारे जीवन में आजीवन चलने वाली एक प्रक्रिया है। हम जिसके भी संपर्क में आकर जो भी ग्रहण करते हैं, अनुभव करते हैं और उस अनुभव से हमारे व्यवहार में परिवर्तन होता है। इसलिए सिखाने की प्रक्रिया जन्म से लेकर मृत्यु तक चलती रहती है।

सूक्ष्म शिक्षण का अर्थ

'सूक्ष्म शिक्षण' अंग्रेजी भाषा के 'माइक्रो टीचिंग' का हिंदी पर्याय है। सूक्ष्म शिक्षण का शाब्दिक अर्थ है लघु रूप में शिक्षण करना। सूक्ष्म शिक्षण से आशय ऐसी शिक्षण विधि से है जहाँ लघु कक्षा, लघु विषयवस्तु, लघु

असस्टेंट प्रोफेसर (सविदा) शिक्षा शास्त्र, राजकीय महाविद्यालय, चित्तौड़गढ़
जयपुर

E-mail: kuldeeplamba29@gmail.com

69 ISBN

WOMEN EMPOWERMENT IN UTTARAKHAND



DR. PRATIBHA NEGI
DR. NARENDRA KUMAR SINGH

Women Empowerment in Uttarakhand

Editor

Dr. Pratibha Negi

Co-Editor

Dr. Narendra Kumar Singh



KUNAL BOOKS

New Delhi - 110002 (India)

KUNAL BOOKS

4648/21, 1st Floor, Ansari Road,

Daryaganj, New Delhi - 110002

Phones: 011-23275069, 9811043697

E-mail: kunalbooks@gmail.com

Website: www.kunalbooks.com

Women Empowerment in Uttarakhand

© Editors

First Published, 2023

ISBN : 978-93-95651-99-8

All rights reserved. No part of this publication may be reproduced, stored in a retrieval system or transmitted, in any form or by any means, mechanical, photocopying, recording or otherwise, without prior written permission of the publisher.

The opinions and views expressed are exclusively those of the authors/contributors and in no way the editors or publisher is responsible

Published in India by Prem Singh Bisht of Kunal Books, and printed at Trident Enterprises, Noida, (U.P.).

CONTENTS

<i>Preface</i>	v
<i>Messages</i>	vii- xiii
1. Tourism: An Engine for Women's Empowerment with Special Reference to District, Almora, Uttarakhand <i>Bhawana Mahara-Rautela</i>	1
2. Problems and Challenges Faced by Rural Women Entrepreneurship in Hills-Uttarakhand <i>Sunita Yadav</i>	12
3. Health And Nutrition Of Women In Hill Areas <i>Dr. Pritam Kumari</i>	27
4. Development of Uttarakhand's Women Entrepreneur through Value Addition <i>Dr. Monika Aswal</i>	35
5. Fostering Women Empowerment in India: An analysis of Development Schemes and Programmes <i>Pooja Joshi & Dr. Arati Pant</i>	54
6. Issues and Challenges of Women Empowerment <i>Dr. Shakunj Rajput</i>	69
7. The Global Problem of Human Trafficking <i>Dr. Neelam Saun</i>	75

Development of Uttarakhand's Women Entrepreneur Through Value Addition

Dr. Monika Aswal

Introduction

Time immemorial, women are described as the better half of men. But in reality, the women in developing countries do not tally with this description. It is well known fact that women have played and continue to play a key role in conservation of basic life support systems such as land, water, flora and fauna. Women have to play a dual role, as a housewife and as income earners. Women have the burden of preparing food for the family, besides fulfilling their fundamental role of nurturing and caring for the children and tending to elderly members of the household. Even then they suffer from being economically and socially invisible. There is continued inequality and vulnerability of women in all fields like socio-economic, political, education, health care, nutrition etc.¹

Women Entrepreneurs

"Entrepreneurs" word comes from the root "enterprise" which means- a bold difficult or important undertaking, a

CULTURE AND TOURISM OF UTTARAKHAND



Dr. Pratibha Negi
Dr. Jitendra Kumar Mohanti

KUNAL BOOKS

4648/21, 1st Floor, Ansari Road,

Daryaganj, New Delhi - 110002

Phones: 011-23275069, 9811043697

E-mail: kunalbooks@gmail.com

Website: www.kunalbooks.com

Culture and Tourism of Uttarakhand

© Editors

ISBN- 978-93-91651-36-3

First Published, 2023

Front Page (Photo & Design) : Manoj Lohani

All rights reserved. No part of this publication may be reproduced, stored in a retrieval system or transmitted, in any form or by any means, mechanical, photocopying, recording or otherwise, without prior written permission from the publisher.

Publisher & Editors are not responsible for the opinions and views expressed by authors in their respective papers included in this volume.

CONTENTS

<i>Foreword</i>	<i>v</i>
<i>Preface</i>	<i>vii</i>
<i>Our Valuable Contributors</i>	<i>xv</i>
1. Strategies of Tourism Development in Uttarakhand : A Marketing Approach	
<i>Prof. Chandra Datt Suntha</i>	1
2. Tourism in Uttarakhand: Types, Policies, Challenges & Way Forward	13
<i>Dr. Lila Dhar Mishra</i>	
3. Culinary Tourism in Kumaun : Potential for Employment and Economy	25
<i>Dr. Jitendra Kumar Lohani, Dr. Pratibha Negi & Arti Joshi</i>	
4. Pilgrimage Tourism in the Holy Land of Rudraprayag District, Central Himalaya	31
<i>Mahendra Singh, D.S. Parihar & Neeraj Kumar</i>	
5. A Study of Four Wheeler Passenger Tourist Cab State of Uttarakhand	44
<i>Dr. Abhimanyu Kumar</i>	
6. Scope, Challenges and Issues for Tourism Development in Berinag Region, Uttarakhand	54
<i>Dr. Meenakshi Goswami</i>	
7. Food Culture and Cuisines of Uttarakhand	63
<i>Dr. Monika Astwal</i>	

Food Culture and-Cuisines of Uttarakhand

Dr. Monika Aswal

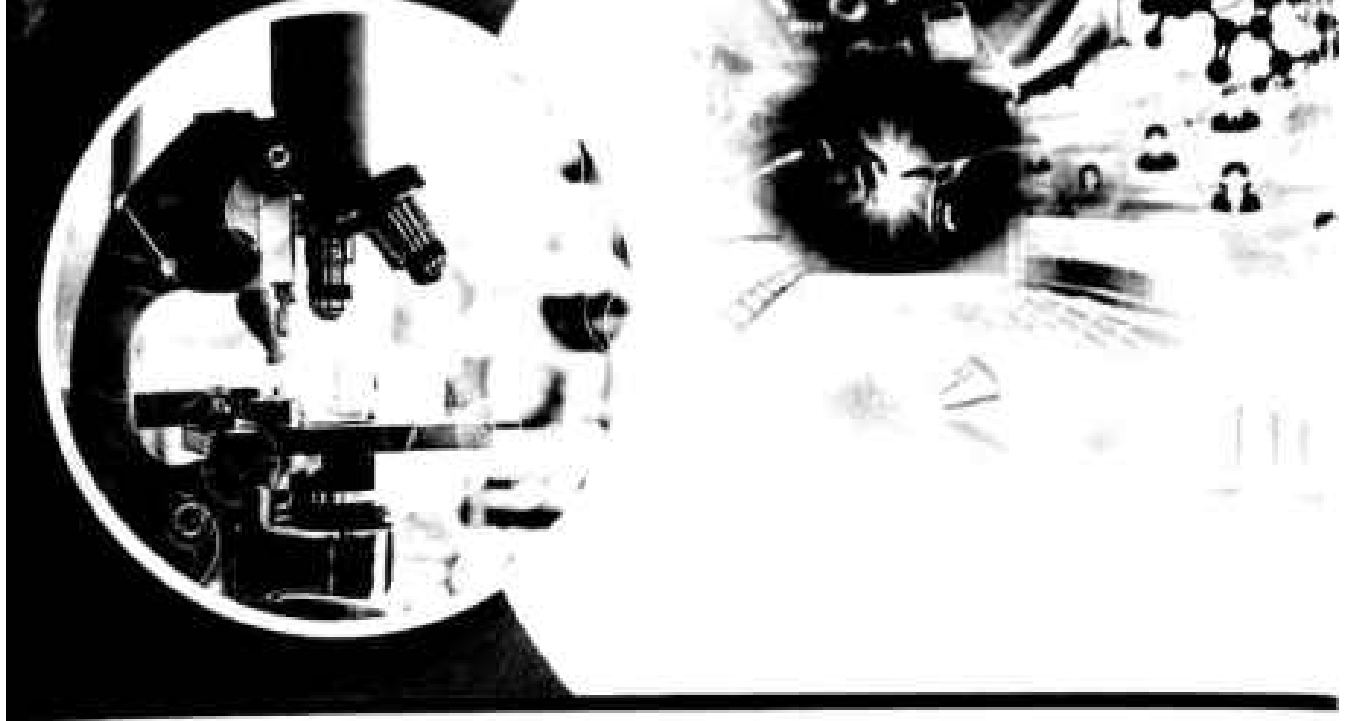
Abstract

Food culture can be defined as the attitudes, beliefs and practices that surround the production and consumption of food. Food culture incorporates ethnicity and culture heritage and provides a mechanism of communication with other both externally and within our families and communities. The culture of Uttarakhand which includes pahari, Kumauni and Garhwali have maintained a good standard of culinary system. Uttarakhandis have developed tasted for all types of vegetarian meals. Vegetables namely cabbage, palak, green grams, pears are highly nutritious. Major crops are paddy, wheat, maize, oil - seeds, soybean and pulses. In this article, the specialty of Uttarakhand's farming and methods of farming have been described. This article on different types of Uttarakhand cuisines, and the method of making those cuisines and the nutrients found in the cuisines. Uttarakhand cuisines is traditions and festivals, cuisines are passed down from one generation to another and all over Indian loved it.

Keywords - Food, Culture, cuisines.

Introduction:

Food symbolizes the culture of a community and provides it with a distinct identity . The social forms, customary beliefs, the material traits of racial, religious , or social groups are some of the characteristics contributing to the description of



Current Approaches in Science and Technology



Editors

Mr. Vipin Chandra

Dr. Sanjeev Lal

Dr. Mahendra Pal Singh Parmar

Co-Editors

Dr. Jai Laxmi Rawat

Dr. Richa Badhani

Dr. Aaradhna Chauhan

Dr. Purna Pokhriyal

Published by :

P.K. Publishers & Distributors

J-231/1A] Gali No. 14, 4th Pushta,

Kartar Nagar, Delhi-110053

Mobile: + 91 9540483251, + 91 7982551449

E-mail: pkpublication@gmail.com

Website: www.pkpublishers.com

Current Approaches in Science and Technology

© Authors

First Edition 2023

ISBN: 978-93-92239-58-8

Disclaimer: Views expressed and plagiarism if any are responsibility of respective authors. Publisher and Editors are neither responsible nor support the opinion expressed by authors. Copy right lies with respective authors.

All rights reserved no part of this work may be reproduced, stored in a retrieval system, or transmitted in any form or by any means, electronic, mechanical, photocopying, recording or otherwise, without the prior written permission of the Publisher.

This Book has been published in good faith that the material provided by author is original. Every effort is made to ensure accuracy of material but the publisher and printer will not be held responsible for any inadvertent errors.

PRINTED IN INDIA

Published by P.K Publishers & Distributors Delhi-110053, Laser Type setting at Shahabuddin Computers, Delhi. Printed at Sachin Printers, Delhi- 53

Contents

<i>Preface</i>	(v)
1. Modern Trends in the Indian Agriculture System: A Critical Review <i>-Dr. R.K. Dwivedi and Dr. Pawanika Chandola</i>	1
2. Cyanobacteria: A Bio-resource <i>-Dr. Deepak Kumar Singh</i>	13
3. Indigenous Knowledge of Some Medicinal Plants and their Uses by Tribal Communities against Various Diseases <i>-Dr. Sanjeev Lal</i>	32
4. Landslide: A Curse to the Mountains (Think, Rethink.....) <i>-Brijesh Chauhan and Dr. Rajni Lasyal</i>	45
5. An Invasion of New Weeds in Uttarkashi District of Uttrakhand State by Nomadic Grazers <i>-Dr. Mahendra Pal Singh Parmar, Dr. Jai Laxmi Rawat, Dr. Richa Badhani, Dr. Sanjeev Lal, Vipin Chandra, Dr. Aaradhna Chauhan, Reena Shah & Dr. Prerana Pokhriyal</i>	58
6. Millets for Nutritional Security and Cultivation in Uttarakhand <i>-Dr Ashok Kumar Agrawal and Deepika Agrawal</i>	66

Millets for Nutritional Security and Cultivation in Uttarakhand

-Dr Ashok Kumar Agarwal¹ and Deepika Agrawal²

ABSTRACT

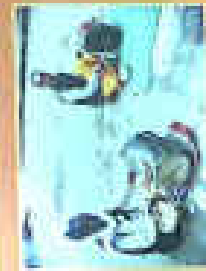
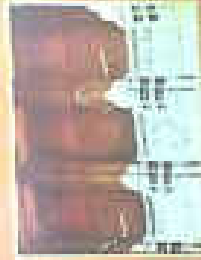
Millets are a group of cereal food grain crops constituting variety of small grain that are often termed nutri-cereals, and include sorghum, pearl millet, ragi, small millet, foxtail millet, proso millet, barnyard millet and other millet. They are sustainable for the environment and suitable for agriculture. The demands for millets is increasing not only in the domestic market but also in the international markets. The demand for healthy food has increased during the pandemic in Uttarakhand and India. Traditionally, Uttarakhand has a history of high millet

¹ Assistant Professor, Department of Botany, Government Degree College, Chinyalisaur, Uttarkashi, Uttarakhand

² Department Of Animal Husbandry, Uttarakhand
Corresponding Author: Dr Ashok Kumar Agarwal
Email address : agarwalak613@gmail.com

उत्तराखण्ड

संस्कृति एवं पर्यटन



डॉ० प्रतिभा नेगी
डॉ० जितेन्द्र कुमार लोहनी

Published By:

N. B. Publications

SF-1, A-5/3, D.L.E., Ankur Vihar,
Loni, Ghaziabad-201102, U.P. (India)

Phones : 8700829963, 9999829572

E-mail : nbpublications26@gmail.com

Sale Distributor By:

KUNAL BOOKS

4648/21, 1st Floor, Ansari Road,
Daryaganj, New Delhi - 110002.

Phones: 011-23275069, 9811043697

E-mail: kunalbooks@gmail.com

Website: www.kunalbooks.com

उच्चराखण्ड : संस्कृति एवं पर्यटन

© Editors

First Published : **March 2023**

ISBN: 978-93-91550-23-3

[All rights reserved. No part of this publication may be reproduced, stored in a retrieval system or transmitted, in any form or by any means, mechanical, photocopying, recording or otherwise, without prior written permission of the publisher].

The opinions and views expressed are exclusively those of the authors and in no way the editors or the publisher is responsible for the same.

Published in India by N.B. Publications, and printed at **Trident Enterprises**, Noida, (U.P.)

- | | | |
|-----|--|-----|
| 8. | कुमाऊँ के लघु कुटीर उद्योग में उद्यमिता संभावनाएँ
(पिछौड़ा परिधान के विशेष संदर्भ में)
आरती जोशी/डॉ. रुचि द्विवेदी | 81 |
| 9. | कुमाऊँ के गंगावाली क्षेत्र का सांस्कृतिक महत्व एवं
पर्यटन के अवसर
कौशल उग्रैती | 85 |
| 10. | उत्तराखण्ड की संस्कृति में पर्यटन वर्तमान स्थिति
डॉ. निशा जार्या | 94 |
| 11. | उत्तराखण्ड में पर्यटन के अवसर एवं संभावनाएँ एक विवेचना
डॉ. कवलजीत कौर | 99 |
| 12. | भारतीय संस्कृति का पारम्परिक स्वरूप
डॉ. प्रदीप कुमार पेटवाल | 110 |
| 13. | उत्तराखण्ड की सुदृढ़ लोक संस्कृति एवं लोक कला एक अध्ययन
डॉ. नीति गोयल | 120 |
| 14. | हिमालय में पर्यटन की संभावनाएँ एवं चुनौतियाँ
डॉ. विजय कुमार | 126 |
| 15. | भारतीय संस्कृति में पर्यावरण
डॉ. शैला जोशी | 137 |
| 16. | उत्तराखण्ड की प्राकृतिक, सामाजिक एवं सांस्कृतिक परिवेश में
पर्यटन : एक दृष्टि
डॉ. विनीता बिष्ट | 143 |
| 17. | बागेश्वर जनपद में पर्यटन की सम्भावनायें
(कांडा तहसील के विशेष संदर्भ में)
डॉ. निधि अधिकारी | 148 |
| 18. | उत्तराखण्ड के पर्यटन क्षेत्र पर कोविड-19 का प्रभाव
मनोज कुमार | 154 |
| 19. | उत्तराखण्ड के पर्यटन पर कोविड-19 का प्रभाव
सुनीता यादव/प्रोफेसर मनीषा तिवारी | 159 |

भारतीय संस्कृति में पर्यावरण

डॉ. शैला जोशी

असि. प्रो. हिन्दी, राजकीय महाविद्यालय चिन्मालीसांड (उत्तरकाशी)

मानव जीवजगत का एक विकसित सदस्य है। आदिकाल से प्रकृति और मानव का अटूट सम्बंध रहा है। सभ्यता के विकास में प्रकृति ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। विकास के प्रारंभिक चरण में मनुष्य ने प्रकृति के साथ सामंजस्य स्थापित करने के लिए उसके अनुकूल होने का प्रयास किया इसके पश्चात् वह धीरे-धीरे प्रकृति में परिवर्तन का प्रयास करने लगा। किसी भी क्षेत्र का विकास वहीं के मानव संसाधन पर निर्भर करता है। मनुष्य ही प्राकृतिक पर्यावरण को संवारता भी है और उसे नष्ट भी करता है और स्वयं उससे प्रभावित भी होता है।

आज परिधान से लेकर खान-पान ज्ञान से लेकर सम्मान, उत्पादन से लेकर उपभोग विकास से लेकर विनाश और समझने से लेकर विचारने तक सभी कुछ पश्चिमी तौर-तरीकों से ग्रस्त है। यद्यपि हमें विश्व का सबसे बड़ा तथा श्रेष्ठ लोकतन्त्र होने का गौरव प्राप्त है और विश्व के अनेक देशों की संस्कृति हमारे पूर्वजों व विद्वानों के उपदेशों से सिंचित तथा पोषित हुई तथा दुनिया को हमने संस्कृति सभ्यता की नसीहत दी फिर भी आज दुर्भाग्यवश अपने घर में ही हमारी संस्कृति परापेक्षी तथा विखण्डित होकर रह गयी। आज हम यदि बच्चों से यह कहते हैं कि पेड़ों नदियों, तालाबों, पहाड़ों, गुफाओं, कन्दराओं, घाटियों के किनारे बैठकर हमारे ऋषियों, तपस्वियों, चिन्तकों, साधु-सन्तों ने ज्ञान अर्जन किया और धार्मिक ग्रन्थों की रचना की तथा देश-विदेशों में भ्रमण करके भारतीय चिन्तकों ने अपनी सभ्यता तथा संस्कृति से विश्व जनसमुदाय को अवगत कराया तो खेद की बात है कि उन्हें विश्वास ही नहीं होता और

Customer Relationship Management

(Trends & Innovations)

ब्राह्मक संबंध प्रबन्धन
(रुझान एवं नवाचार)



Dr. Ravinder Kumar | Dr. Rajesh Kumar
Shri Netram | Dr. Harish Chandra Raturi

All rights are reserved. No part of this publication may be reproduced, stored in a retrieval system or transmitted in any form or by any means, electronic, mechanical, photocopying, recording or otherwise, without the prior permission of the copyright holder.

© **Editors:** Dr. Ravinder Kumar, Dr. Rajesh Kumar,
Mr. Netram & Dr. Harish Chandra Raturi

Publisher : World Lab Publication

Address : Plot No 241, TF-2 Sec-1, Vasundhara,
Ghaziabad, Uttar Pradesh 201012

Phone : 9810080056, 9310388806

E-mail : worldlabpublication@gmail.com

Website : www.worldlabpublication.com

Edition : 2023

ISBN : 978-81-961655-0-5

Price : 750/-

Printed in : India

Customer Relationship Management (Trends & Innovations)

ग्राहक संबंध प्रबन्धन (रुझान एवं नवाचार)

Contents

Sr. No	Chapter	Page No
1	Customer Relation Management: A Road Map towards the Profitability of Banking Sector in Today's Prospective <i>Dr. Neeraj Kumar</i>	1-11
2	CRM Practices in Telecom Industry a Review of the Indian Telecom Sector <i>Lokesh Prasad & Dr. Dinesh Chandra</i>	12-25
3	Utility of Customer Relationship Management in Healthcare Sector <i>Dr. Pankaj Kumar & Dr. Pramod Kumar</i>	26-42
4	Trends and Innovations in Customer Relationship Management <i>Prof. Preeti Rani & Dr. Anshika Bansal</i>	43-53
5	A SWOT Analysis of Customer Relationship Management System <i>Dr. Rajesh Kumar</i>	54-66
6	Importance of Ethics in Customer Relationship Management <i>Dr. Jaiprakash Panwar, Prof. Ashok Kumar Pokhriyal & Mukesh Shah</i>	67-74
7	The Role of Customer Relationship Management (CRM) in Marketing <i>Yogita Rajput & Prof. (Dr.) Vinod Kumar Singh</i>	75-88

Chapter 3

Utility of Customer Relationship Management in Healthcare Sector

Dr. Pankaj Kumar¹

Dr. Prasad Kumar²

¹Assistant Professor Commerce,

Ekabir Dattaiah Govt. (PG) College Jaiwarikhal,

²Assistant Professor Economics,

Govt. Degree College Chivakulnar Uttarakhali

ABSTRACT

The healthcare industry has grown tremendously in the past decade and has become more competitive. Patients have evolving needs and to keep up and meet those needs requires technology and digital transformation. A successful healthcare provider relies on strong patient-provider relationships. Since all businesses have now pivoted to digital, healthcare organizations can make use of CRM software technology to enhance patient satisfaction. Healthcare CRM (healthcare customer relationship management) software can help healthcare providers reorient their focus to meet patient needs without compromising on the quality of care. One of the challenges in the fiercely competitive space of health organizations is to respond customers with best quality and highest productivity for building trust and satisfaction in the shortest time. The purpose of this study is to find out the key factors that are need for successful implementation of CRM in healthcare sector and build strong relationship with patients. Another objective of this study is to provide the knowledge that how would an organized CRM healthcare system can be beneficial for good treatment of patients.

Keywords: CRM, Communication, Healthcare, Information technology, Patient satisfaction etc.

INTRODUCTION

In world of business, customer relationship management is used to retain customer loyalty in order to increase revenue. Likewise healthcare sector can build the same kind of relationship with patients and use CRM system to offer more tangible benefits to patients. The first benefit of CRM implementation is to know the relatively treatment history of patients by the same organization. Often different hospitals use different patient information systems which are not always congenial with each other. If a patient keeps changing the hospital, his or her medical record can be scattered around various sites. If patient get his treatment ideally from the same physician in every visit, then physician can become more familiar to the patient and which could be beneficial to improve procedure of treatment. The most tangible benefit, however, is time. If the patient goes to the same physician every time, there is no need for long check-ups at the beginning of each visit.

Today people are very conscious for health care and their engagement with healthcare providers provide them better outcomes. Leading healthcare organizations are actively seeking to develop strategic approaches to promote this process. Many of profit poaching Healthcare organization are struggling for improving patient satisfaction. Focusing only on patient satisfaction may actually be undesirable in terms of achieving cost effective high quality care. In order to prosper in a value-driven reimbursement environment, healthcare providers will be needed to adopt a sincere orientation towards patients and families in order to achieve significant activation and engagement. This process can resulted a better outcome through a stronger therapeutic alliances between healthcare providers and patients improved patient decision-making. However strong relationships between providers and patients can increase value, but these relationships cannot only be maintained by initiatives that merely concentrating on satisfaction. Healthcare organizations should build the same discipline just like those

National Education Policy 2020

Reforms in Indian Education System

Vineet Kumar

Kuldeep

Deepak Dharmasaktu

Dr. Harish Kumar Yadav



Published by:

P.K. Publishers & Distributors

1-231/1A, Gali No. 14, 3rd Pustha,

Kartar Nagar, Delhi-110053

Mobile: +91 05404-83251, +91 79825-51449

E-mail: pkpublication@gmail.com

Website: www.pkpublishers.com

**National Education Policy 2020
Reforms in Indian Education System**

© Authors

Edition: First, 2023

ISBN: 978-81-19428-51-9

All rights reserved no part of this work may be reproduced, stored in a retrieval system, or transmitted in any form or by any means, electronic, mechanical, photocopying, recording or otherwise, without the prior written permission of the Publisher.

This Book has been published in good faith that the material provided by author is original. Every effort is made to ensure accuracy of material but the publisher and printer will not be held responsible for any inadvertent errors.

Printed in India

Published by P.K. Publishers & Distributors, Delhi-53, Laser Typeset by Gurpal Computers (Amandeep Singh), Nawanshahr, Punjab. Printed at Sachin Printers, Delhi-53.

- | | | |
|-----|---|-----|
| 26. | नई शिक्षा नीति 2020 उद्देश्य, आयाग एवं चुनौतियां
डॉ. सुमिता पवार | 181 |
| 27. | राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में प्रौढ शिक्षा
विनीत कुमार, डॉ. हरिश कुमार यादव | 187 |
| 28. | वैदिक काल से लेकर राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 तक भारत में शिक्षा
व्यवस्था का विकास क्रम
अरविन्द लोहनी | 192 |
| 29. | नई शिक्षा नीति की दिशाएँ
डॉ. (श्रीमती) मंजुलता कश्यप | 204 |
| 30. | नई शिक्षा नीति के संदर्भ में ऑनलाईन शिक्षा
रामसेवक राम भगत | 210 |
| 31. | राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020: उच्च शिक्षा में सुधार
डॉ. विनी शर्मा | 218 |
| 32. | राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP) 2020 का विधिक शिक्षा पर प्रभाव का एक
विश्लेषणात्मक अध्ययन
मी० जाकिर | 227 |
| 33. | राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020: भारतीय शिक्षा नीति में सुधार आजादी के बाद
भारत में गठित आयोग एवं समितियाँ
डॉ. शैलेश मिश्र | 243 |

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में प्रौढ़ शिक्षा

विनीत कुमार,¹ डॉ० हरिश कुमार यादव

एक्सेलेंट प्रोफेसर (राजनीति विज्ञान), राजकीय महाविद्यालय, विन्ध्यानीसोड, उत्तरकाशी, उत्तराखण्ड

असिस्टेंट प्रोफेसर (बी एड विभाग), रामचन्द्र अभियांत्रिकी राजकीय स्नातकोत्तर विद्यालय, उत्तरकाशी, उत्तराखण्ड

सारांश

शिक्षा प्राप्त करना और जीविकोपार्जन का अवसर प्रत्येक नागरिक का मौलिक अधिकार है। समुदाय को गैर-साक्षर होने के कारण असह्य नुकसान उठाने पड़ते हैं। आजादी के समय भारत की साक्षरता 36 प्रतिशत जनसंख्या साक्षर नहीं थी। औपचारिक शिक्षा का अवसर खो चुके तथा औपचारिक शिक्षा की उस बात कर चुके किन्तु सीखने की आवश्यकता महसूस करने वाले नागरिकों के लिए प्रौढ़ शिक्षा की व्यवस्था की गयी। प्रौढ़ शिक्षा का ध्यान बुनियादी साक्षरता प्रदान करने पर केन्द्रित रहा है। भारत में 1951 से व्यवस्था साक्षरता को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न कार्यक्रमों और योजनाओं को प्रारम्भ किया गया जिसके सकारात्मक परिणाम रहे हैं। भारत में लगभग 18.12 करोड़ व्यक्ति अभी भी गैर-साक्षर हैं। भारत सरकार द्वारा वर्तमान परिस्थितियों एवं भविष्य के दृष्टिगत, भारतीय शिक्षा व्यवस्था में आमूलचूल परिवर्तन करने के लिए राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 लायी गयी। राष्ट्रीय शिक्षा नीति स्वतंत्र भारत की तीसरी शिक्षा नीति है। 100 प्रतिशत साक्षरता के उद्देश्य को प्राप्त करने हेतु राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में प्रौढ़ शिक्षा के लिए भी महत्वपूर्ण प्रावधान किये गये हैं। नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति में प्रौढ़ शिक्षा के लिए उत्कृष्ट पाठ्यचर्या विकसित करना, शिक्षण गतिविधियों के लिए भौतिक एवं मानव संरचना का साध्याकरण सुनिश्चित करना, शिक्षक एवं शिक्षक प्रशिक्षण की व्यवस्था करना, प्रौढ़ शिक्षा में ज्यादा से ज्यादा व्यक्तियों की भागीदारी सुनिश्चित करना, समुदाय में पढ़ने की आदत विकसित करना तथा प्रौढ़ शिक्षा को प्रभावी बनाने के लिए प्रौद्योगिकी के उपयोग पर विशेष बल देने का प्रावधान किया गया है।

मुख्य शब्द: नागरिक, साक्षरता, प्रौढ़ शिक्षा, राष्ट्रीय शिक्षा नीति, पाठ्यचर्या

शिक्षा प्राप्त करना और जीविकोपार्जन का अवसर प्रत्येक नागरिक का मौलिक अधिकार है। साक्षरता और बुनियादी शिक्षा किसी व्यक्ति को वैयक्तिक, नागरिक, आर्थिक और जीवनपर्यंत शिक्षा के अवसर प्रदान करती है। साक्षरता और बुनियादी शिक्षा समाज और देश के विकास हेतु



CURRENT TRENDS AND ISSUES IN
EDUCATION

DR. HARISH KUMAR YADAV

**CURRENT TRENDS AND ISSUES IN
EDUCATION**

Dr. Harish Kumar Yadav

red'shine
PUBLICATION
S W E D E N

REDMAC.Se

CURRENT TRENDS AND ISSUES IN EDUCATION

by: Dr. Harish Kumar Yadav

—

RED'SHINE PUBLICATION

62/5834 Harplingegränd 110, LGH 1103. Älvsjö, 12573

Stockholm, Sweden

Call: +46 761508180

Email: info.redshine.se@europa.com

Website: www.redshine.se

—

Text © Editor, 2023

Cover page © RED'MAC, Inc, 2023

—

ISBN: 978-91-89764-20-0

ISBN-10: 91-89764-20-X

DIP: 18.10.918976420X

DOI: 10.25215/918976420X

Price: kr 150

First Edition: July, 2023

—

Alla rättigheter förbehållna. Ingen del av denna publikation får reproduceras eller användas i någon form eller på något sätt - fotografiskt, elektroniskt eller mekaniskt, inklusive fotokopiering, inspelning, bandning eller informationslagring och - hämtningssystem - utan föregående skriftligt tillstånd från författaren och utgivaren.

—

The views expressed by the authors in their articles, reviews etc. in this book are their own. The Editors, Publisher and owner are not responsible for them.

De åsikter som författarna uttrycker i deras artiklar, recensioner i denna bok är deras egna. Redaktörerna, utgivaren och ägaren ansvarar inte för dem.

Printed in Stockholm | Title ID: 918976420X

SR.NO.	CHAPTER & AUTHOR(S) NAME	PAGE NO.
19	POLITICAL CRIMINALIZATION Vineet Kumar	178
20	THE URGENT NEED TO SAFEGUARD CORAL REEFS IN THE FACE OF CLIMATE CHANGE Deepak Dharmsaktu	186
21	A LOOK AT NEP 2020 IN INDIA AND THE TRANSFORMATIVE ROLE OF ICT IN MODERN EDUCATION Alok Bijalwan	192
22	TECHNOLOGY IN EDUCATION Kuldeep	197
23	UNVEILING THE POWER OF VEDIC MATHEMATICS: EXPLORING CONCEPTS, APPLICATIONS, AND COGNITIVE BENEFITS Dinesh Chandra	204
24	SOCIAL AND CULTURAL AWAKENING IN MODERN INDIA Khushpal	212
25	GENERAL ANXIETY AMONG INDIAN PEOPLE IN RELATION TO KNOWLEDGE TOWARD COVID-19 INFECTION DURING LOCKDOWN PERIOD Yashpal Singh & Manju Raghav	217

Chapter 19

POLITICAL CRIMINALIZATION

Vineet Kumar

Assistant professor, Department of Political Science

Rajkiya Mahavidyalaa, Chinyalisaur, Uttarkashi, Uttarakhand

Email Id: vky1804@gmail.com

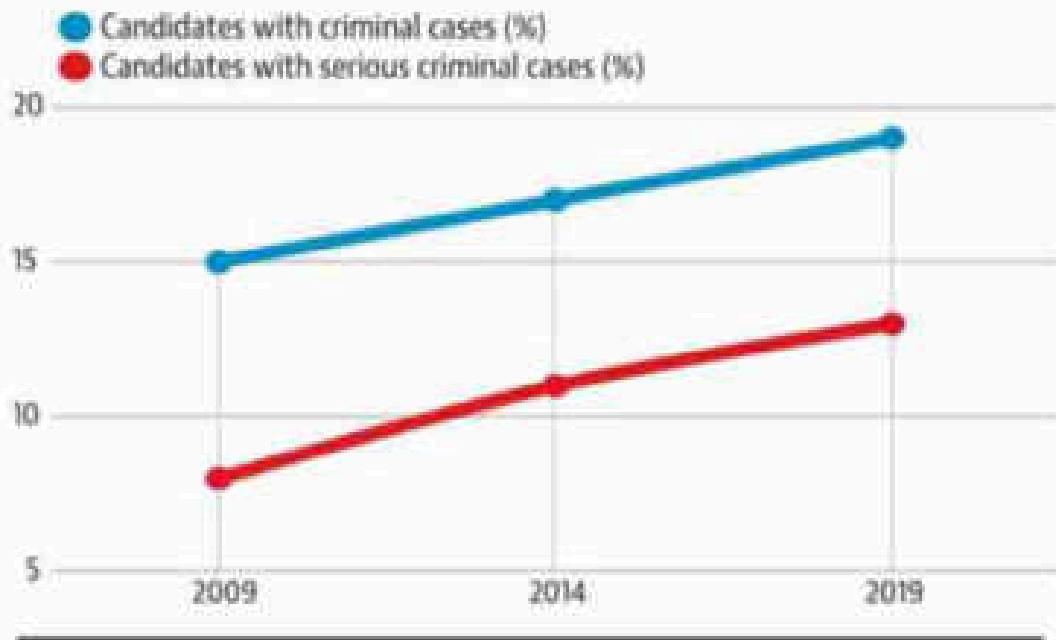
ABSTRACT

Political criminalization is the most serious problem of the Indian democratic system. Which is turning towards dictatorship by restricting the universal power of political society and making democracy powerless. Indian politics has adopted principled, value-based and corruption-oriented methodology. As a result of which a challenge like political criminalization is standing in front of the country. There have been various reasons for political criminalization in Indian politics, which has affected not only the political system but also the social and economic system. In order to safeguard the world's largest democracy, there is a need to make rapid remedial efforts to stop political criminalization.

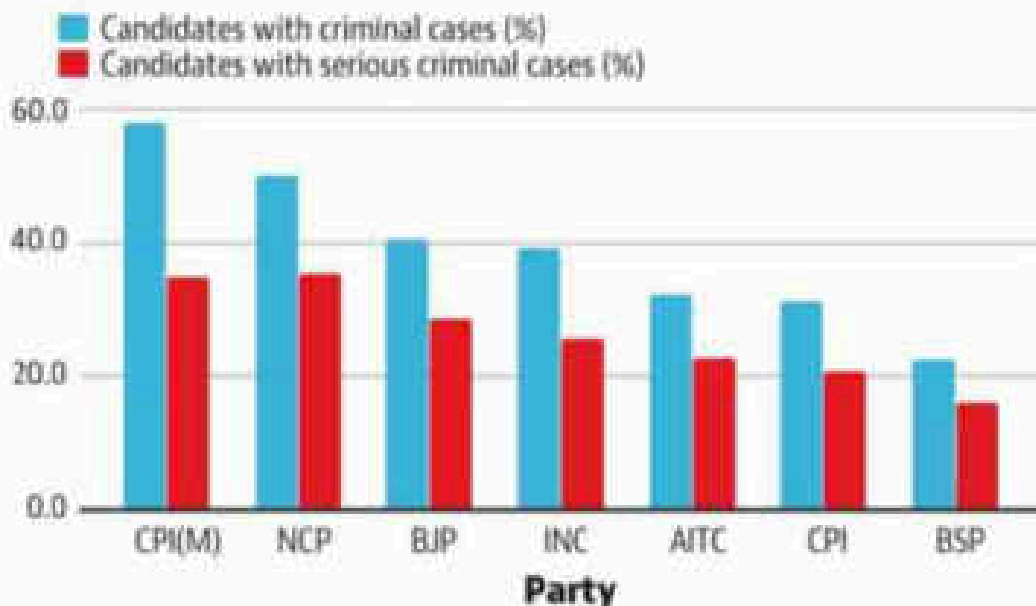
KEYWORDS: *politics, criminalization, corruption, election commission, black money, democracy*

Political criminalization is the tendency under which people of criminal tendency or background directly or indirectly influence the political process. To enter Indian politics, to gain power and to remain in power, the act of taking the help of criminals was done by the politicians. Later, the direct entry of criminals into politics started, which gave rise to political criminalization. According to the Association of Democratic Reforms, out of 539 elected MPs in Lok Sabha 2019, 233 MPs or 43% MPs have criminal charges. Which is 26 percent more than in 2014. In the Lok Sabha elections from 2009 to 2019, the number of candidates accused of criminal cases has increased from 15% to 19% and the number of candidates accused of serious criminal cases has increased from 8% to 13%.

CURRENT TRENDS AND ISSUES IN EDUCATION

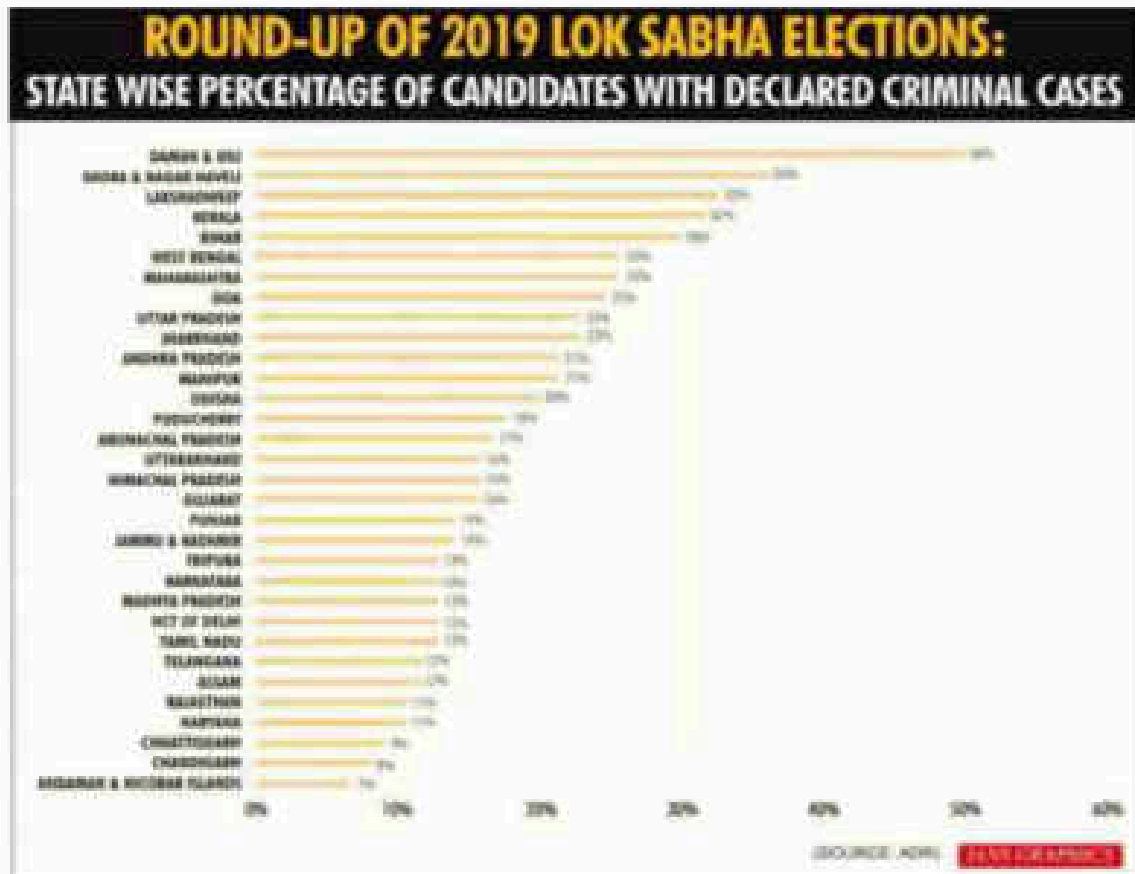


58% of CPI(M), 40% of BJP, 39% of IMC, 32% of AITC, 30% of CPI and 22% of BSP candidates in Lok Sabha Elections 2019 have declared criminal cases against themselves. While 35% of CPI(M), 37% of Congress, 29% of BJP, 39% of IMC, 22% of AITC, 20% of CPI and 17% of BSP candidates have declared serious criminal cases against themselves.



50% in Daman and Diu, 36% in Dadra and Nagar Haveli, 33% in Lakshadweep, 32% in Kerala, 30% in Bihar, 26% in West Bengal and Maharashtra, 25% in Goa, Uttar Pradesh and 23% in Jharkhand, 21% in Andhra Pradesh and Manipur, 20% in Odisha,

18% in Puducherry, 17% in Arunachal Pradesh, 16% in Uttarakhand, Himachal and Gujarat, 14% in Punjab and Jammu and Kashmir, Tripura, Karnataka, Madhya Pradesh, Delhi and 13% in Tamil Nadu, 12% in Telangana and Assam, 11% in Rajasthan and Haryana, 9% in Chhattisgarh, 8% in Chandigarh and 7% in Andaman and Nicobar Islands have declared criminal cases against themselves.



According to the data compiled by Nyaya Mitra, till December 1, 2021, a total of 4984 criminal cases related to MLAs were pending in various courts across the country. According to the ADR, 23% of the candidates in the assembly elections held in the hill state of Himachal in 2022 had criminal charges registered against them. 51% MLAs elected in Uttar Pradesh Assembly Elections 2022 had criminal cases and 39% MLAs had serious criminal cases. 40% MLAs elected in Goa Assembly Elections 2022 had criminal cases and 33% MLAs had serious criminal cases. 58% of the MLAs elected in the Punjab Assembly Elections 2022 had criminal cases and 27% had serious criminal cases. In Uttarakhand Assembly 2022, 27% MLAs had criminal cases and 14% MLAs had

serious criminal cases. Same in Manipur Assembly 2022, 23% MLAs had criminal cases and 18% MLAs had serious cases registered.



In Karnataka Assembly 2023, 31% of Congress candidates, 30% of BJP candidates and 25% of JDS candidates have declared serious criminal cases. Out of 223 members of Karnataka Legislative Assembly, 58 MLAs of Congress, 52 of BJP and 47 of JDS have criminal cases against them. While 30 MLAs of Congress, 35 of BJP and 37 of JDS have serious criminal cases registered against them. 16 out of 34 ministers in the Karnataka Legislative Assembly 2023 have criminal cases against them. At the same time, criminal cases are also registered against the Deputy Chief Minister of Karnataka.

The Constitution of India does not provide for the disqualification of a person with criminal antecedents contesting elections to Parliament or Assemblies. According to Section 8 of the Representation of the People Act, 1951, the criteria for disqualification of a person for contesting elections to the legislature cannot bar convicted politicians from contesting elections, who are only under trial and have not yet been convicted. Sections 8(1) and 8(2) of the Act provide that if a member of a legislature is involved in offences such as murder, involvement in terrorist activities, he shall be disqualified for a period of six years under this section. It has been made mandatory by the Election Commission to make public the personal information of the candidate including his movable and immovable property, educational level, case pending in the court etc. But even this provision has not been successful in preventing the entry of criminals into politics.

Due to the increase in Westernization in India, consumerism has strengthened its hold in the public at a faster pace. Consumerism has promoted greed and selfishness. Due to the greed and selfishness of the people, it has become easier to reach power on the strength of wealth. Due to the high wealth of people with criminal tendencies, leaders have an alliance with criminals and gangsters. The nexus of politicians and criminals has created difficulties in the independent discharge of the bureaucracy by increasing the pressure on the bureaucracy. This has led to a tripartite nexus of politics, bureaucracy and criminals. The tripartite alliance has also been accepted by the 'Bohra Committee'. Because criminals are well aware of the benefits of power, criminals have adopted politics as a place of protection and professionalism. Poverty, illiteracy and unemployment in the country have also played an important role in political criminalization. Due to the system of non-effective implementation of laws in the country and the drastic decline in the capacity and quality of governance, the dominance of criminals in the society is large. The delay in hearing and deciding criminal cases by the judiciary has given criminals an opportunity to gain political office and access the protection of power. The flaws in the country's electoral system have also given impetus to criminals to enter politics. The party system prevailing in the country and the excessive political desire to gain power in any way has given rise to unprincipled and opportunistic politics. Lack of impartial and committed leadership to national interests and casteism, languages and dynastic politics have also contributed to the rise in political criminalisation. Due to the decline of national character among the people of the country, there has been a lack of sense of nationalism. Due to lack of sense of nationalism, criminalization has gained ground in Indian politics based on high ideals and best ideology.

The basis of democracy is public opinion, public opinion is determined by voting. Political criminalization limits voters' choice to elect a good candidate as well as goes against the ethos of free and fair elections. Today, money power, muscle power, casteism, communalism and regionalism are affecting voting. Due to the improper basis of public opinion, incidents of violation of dignity of the House in Parliament and Legislative Assembly, inaction, corruption and autocracy are continuously increasing. Due to which the confidence of the intellectual class is rising from election and representation. Political apathy has increased, resulting in a decline

in voting. As a result, proper public opinion is not being formed on the basis of democracy. Political criminalization makes those who break the law become law makers. Due to which difficulties are faced in establishing good governance. Due to political criminalization, the circulation of black money in elections has increased, corruption in the society has increased. Corruption is affecting the work of public servants.

Political criminalization is also flowing the Indian economy. At the time of budget allocation, industrial houses and upper class are being benefited more than agriculture, farmers and general public. Due to political criminalization, commission loss in allocation and implementation of development projects is huge. At the same time, there has been an increasing tendency to ignore domestic product in import policy and influence policies by the rich classes in budgeting. Politics in infrastructure construction has led to corruption by people. Due to which the growth of the economy has been hampered. At the same time, economic inequalities and inequalities have increased. The rich are becoming richer and the poor are struggling with hunger, unemployment and lack of basic amenities.

Political criminalization has also had an adverse effect on Indian society. Political forces have promoted exploitation, atrocities, abuse and feudal tendencies in the society. At the same time, caste discrimination, class discrimination and communal discrimination have been continuously strengthened in the society. Severe problems like Maoism and Naxalism have arisen due to the weakening of access to health, education, housing, food grains to the common citizen. Insecurity has increased in the society due to the nexus of criminals with the bureaucracy and influence on the judiciary. Society has lost faith in the judicial system. Due to which there is no feeling of freedom in the society. Political criminalization encourages a culture of violence in the society and sets a wrong example for future public representatives. Therefore, it becomes very important to solve this terrible problem.

To curb political criminalization, to build real public opinion, first of all, the public has to be educated and made aware of the duties and rights. Along with the arrangement of livelihood, arrangements will also have to be made for the safety of the citizens. So that the fearless people cannot come under the influence of these forces. In order to convict criminals active in politics and disqualify

them for elections, the cases against them will have to be disposed of expeditiously through fast track courts. The courts will have to consider decisions like banning candidates with serious criminal tendencies from contesting elections. The bureaucracy has to ensure accountability to its duty. There should be a system to bear the election expenses through the state. This will help curb the use of black money in elections to a great extent. The Election Commission needs to be strengthened to regulate political parties. Voters need to be alert to other temptations like money, gifts during elections. The Election Commission will have to actively make special rules to reduce election expenses, bring fairness in the election and the eligibility and criminal record of the candidate, so that only candidates with clean image can contest elections. The Election Commission should make arrangements for effective online voting for pressure-free voting. Political parties have to place their principles and practices above power. Only when the people feel safe and free will a healthy democracy be built.

CONCLUSION:

Criminalization of politics has led to a steady increase in social, economic, political diversity and inequality. As a result, people's faith in democracy is decreasing. Therefore, to establish real democracy, the shackles of politicians, bureaucracy and criminals have to be broken. For which political parties will have to make huge efforts. At the same time, the bureaucracy will have to give up its basic duty and actively follow it in the interest of the country. The Election Commission will have to make stringent legal provisions to prevent political criminalization within its jurisdiction. The Supreme Court will have to ensure the disposal of cases on priority and expeditiously by setting up special courts for political offenders. The intellectual class has to move beyond self-interest and make efforts for the national interest. Spread of education, voluntary organizations, communication tools, media, educational institutions have to create real public opinion through public participation by bringing political awareness. Democracy is the rule of the people, for the people, by the people. With the fair and prudent active participation of the people, a healthy democratic system can be ensured by bringing the democratic system out of the vortex of this terrible problem.

REFERENCE

- 1- Dr. Lakha Ram Choudhary, Research Chronicler: International Multidisciplinary peer-Reviewed Journal, ISSN: Print: 2347-5021
- 2- Website of Association for Democracy Reforms.
- 3- Ahuja, M.L.(2005) General Elections in India: Electoral Politics, Electoral Reforms and Political Parties, Jain Book Agency, New Delhi.
- 4- Suri, K.C. (2005) Parties under Pressure Political Parties in India, sage publication New Delhi.
- 5- B. Venkatesh Kumar,(2009) Electoral Reforms in India, Rawat Publications, New Delhi.
- 6- Saini Pankal.(2009) 'Parliamentary Democracy and Political Change in India', Alfa Publication, New Delhi.,
- 7- Mishra, Sriya Shubhalaxmi.(2019) The Concept of Criminalization of Politics in India. Manupatra Articales, Forthcoming, Available at SSRN: <https://ssrn.com/abstract=3598954> or <https://dx.doi.org/10.2139/ssrn.3598954>
- 8- Association for Democratic Reforms (ADR) Reports(2019), (2022), (2023)
- 9- Sai Shriya Potla.(2022) Criminalization of Politics in India, Jus Corpus Law Journal, ISSN 2582-7820.

National Education Policy 2020

Reforms in Indian Education System



**Vineet Kumar
Kuldeep
Deepak Dharmsaktu
Dr. Harish Kumar Yadav**

Published by:

P.K. Publishers & Distributors

J-231/1A, Gali No. 14, 4th Pushta,

Kartar Nagar, Delhi-110053

Mobile: +91 95404-83251, +91 79825-51449

E-mail: pkpublication@gmail.com

Website: www.pkpublishers.com

**National Education Policy 2020
Reforms in Indian Education System**

© Authors

Edition: First, 2023

ISBN: 978-81-19428-51-9

All rights reserved no part of this work may be reproduced, stored in a retrieval system, or transmitted in any form or by any means, electronic, mechanical, photocopying, recording or otherwise, without the prior written permission of the Publisher.

This Book has been published in good faith that the material provided by author is original. Every effort is made to ensure accuracy of material but the publisher and printer will not be held responsible for any inadvertent errors.

12	New Education Policy: An Outline Dr. Shalini Pandey	91
13	National Education Policy 2020 and E-learning: An In-depth Theoretical Analysis Shahrukh Jamal Ansari	98
14	NEP 2020 Streamlining Reforms for a Prosperous Future Dr. Daval Nari	109
15	Education of Disadvantaged Group of People in India: An Overview Dr. Kapileendra Das	115
16	NEP-2020: Reforms, Vision and Innovation to Transform India's Higher Education Pranav Verma	121
17	NEP 2020 in HEIs: A Captious Appraisal Dr. Sonia Mittal, Tamanna, 3Nutan	128
18	New Education Policy 2020- Pathway Towards Multidisciplinary Education Dr. Srirupa Ray	138
19	Impact of New Education Policy 2020 on Higher Education Manisha Uniyal Bhatt	143
20	New Education Policy 2020: A Strategy for Secondary and Higher Education in India Jugmaheer Gautam	148
21	Augmented Reality Integration in the National Education Policy 2020: A Catalyst for Educational Reform in India Dr. Sachin Kumar, Dr. Anita Singh	156
22	New Education Policy 2020 and Impact on Educational System of India Mr. Deepak Dharmasaktu	163
23	Empowering Human Rights: Unveiling India's Educational Transformation and the National Education Policy 2020 Dr. Faiza Altaf & Dr. Ali Haider ²	168
24	नई शिक्षा नीति 2020: उच्च शिक्षा का बदलता स्वरूप खुशपाल	168
25	स्वतंत्र भारत में शिक्षा नीतियों का बदलता स्वरूप कुलदीप	173

स्वतंत्र भारत में शिक्षा नीतियों का बदलता स्वरूप

कुलदीप

असिस्टेंट प्रोफेसर, शिक्षा शासन विभाग, राजकीय महाविद्यालय चिन्मयलीमोड, उत्तरकाशी
kuldeeplamba29@gmail.com

भारतीय शिक्षा का बीजारोपण आज से लगभग 4000 वर्ष पूर्व हो गया था। प्राचीन भारत में विद्वान सत इस बात से भली भाँति अवगत थे कि शिक्षा व्यक्ति के सर्वांगीण विकास समाज की उन्नति और सभ्यता की प्रगति की आधारशिला है। उन्होंने शिक्षा की ऐसी प्रशंसनीय प्रणाली का प्रतिपादन किया जिसने न केवल भारतीय साहित्य को सुरक्षित रखा बल्कि भारत में अज्ञान भी प्रासंगिक है। एफ. डब्लू. थॉमस ने लिखा है— भारत में शिक्षा विदेशी पौधा नहीं है संसार का कोई भी ऐसा देश नहीं है जहाँ ज्ञान के प्रति प्रेम का इतने प्राचीन समय में जन्म हुआ हो या जिसमें इतना चिरस्थायी और शक्तिशाली प्रभाव डाला हो। 15 अगस्त 1947 को अंग्रेजों की दास्त से भारत मुक्त हुआ। मुक्त होते ही देश के सम्मुख बहुत सारी चुनौतियाँ थीं। एक दम से भारत में सामाजिक, राजनीतिक, आर्थिक एवं शैक्षिक परिवर्तन हुए। मैकाले की शिक्षा पद्धति से भारत ब्रह्म हो चुका था क्योंकि वह शिक्षा व्यवहारिक शिक्षा न देकर केवल बाबू की संख्या बढ़ा रही थी। स्वतंत्रता प्राप्ति के पश्चात भारत सरकार ने इस देश की शिक्षा को सुनियोजित और संगठित करने का दृढ़ निश्चय किया। जिससे शिक्षा को एक नई दिशा मिल सके और वह भारतीयों में जन वेतन अपने कर्तव्य एवं अधिकारों के प्रति सजग कर सके, क्योंकि अब यह शिक्षा की जिम्मेदारी थी कि वह भारत को आगे बढ़ाने में विश्व में अपनी छाप छोड़ने और विकसित होने में अपना महत्वपूर्ण योगदान अदा कर सके।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 1968

शिक्षा को जन आकांक्षाओं पर खरा उतरने बदलते समाज की आवश्यकताओं को पूरा करने, परंपरागत शिक्षा में क्रांतिकारी परिवर्तन लाने, समाज में रूढ़िवादी एवं अंधविश्वासी

सामाजिक विज्ञान, भाषा और शिक्षा में
बहु-विषयक दृष्टिकोण

संपादन-संस्था

डॉ. हरिहर कुमार साठव

संस्थापक-संपादक, ए.ए.ए. स्कूल,
सामाजिक विज्ञान विभाग, भारतीय प्रौद्योगिकी
विद्यापीठ, कोलकाता



डॉ. दीपा मल्होत्रिका

संस्थापक-संपादक,
सामाजिक विज्ञान विभाग, भारतीय प्रौद्योगिकी
विद्यापीठ, ए.ए.ए. स्कूल



विनीत कुमार

संस्थापक-संपादक,
सामाजिक विज्ञान विभाग,
भारतीय प्रौद्योगिकी विद्यापीठ,
कोलकाता



सामाजिक विज्ञान, भाषा और शिक्षा में
बहु-विषयक दृष्टिकोण

सामाजिक विज्ञान, भाषा और शिक्षा में बहु-विषयक दृष्टिकोण



सामाजिक विज्ञान,
भाषा और शिक्षा में
बहु-विषयक दृष्टिकोण

पी.के. पब्लिशर्स एंड डिस्ट्रीब्यूटर्स

के-3/3/1/1, एमिटी रोड, लोहा पुल, कोलकाता-700014

फोन: 9830303021, 9830303144
ईमेल: pks@pkpublishers.com
Website: www.pkpublishers.com

संपादन-संस्था

डॉ. हरिहर कुमार साठव

डॉ. दीपा मल्होत्रिका

विनीत कुमार



प्रकाशक:

पी. के. पब्लिशर्स एंड डिस्ट्रीब्यूटर्स

जे-231 /A, गली नं. 14, चौथा पुस्ता,

करतार नगर, दिल्ली-110053

फ़ोन: +919540483251, +91 7982551449

E-mail: pkpublications@gmail.com

Website: www.pkpublishers.com

सामाजिक विज्ञान, भाषा और शिक्षा में बहु-विषयक दृष्टिकोण

© सर्वाधिकार लेखकाधीन

प्रथम संस्करण: जुलाई, 2023

आई.एस.बी.एन. : 978-93-92239-92-2

भारत में मुद्रित:

पी. के. पब्लिशर्स एंड डिस्ट्रीब्यूटर्स, दिल्ली-53 के लिए प्रकाशित एवं गुरपाल कम्प्यूटर्स, नवांशहर (पंजाब) द्वारा शब्द संयोजन तथा सचिन प्रिंटर्स, मौजपुर, दिल्ली-53 में मुद्रित।

12. स्वस्थनापरिकाना निर्माण योगशिक्षाया: भूमिका 90
• Dr. G. Umanarasimha Murthy
13. पर्यावरण शिक्षा 96
डॉ. सरोज शर्मा, डॉ. नेहा गोस्वामी
14. वैदिक महामारी में योग और ध्यान मानसिक रोगों की 'रामबाण औषधि' 108
शवन्म कुमारी
15. अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति के छात्र/छात्राओं की शैक्षिक आकांक्षा का शैक्षिक उपलब्धि पर प्रभाव 116
रजनीश कुमार
16. भारत में उच्च शिक्षा: चुनौतियाँ और समाधान 128
डॉ. हरीश कुमार यादव
17. शास्त्रीय संगीत में घराने का महत्व: वर्तमान परिप्रेक्ष्य में 137
हनुमान प्रसाद गुप्ता
18. आचार्य विनोबा भावे जी के शैक्षिक दर्शन का शिक्षा पर प्रभाव 144
कुलदीप
19. नई शिक्षा नीति 2020 का विश्लेषणात्मक अध्ययन 149
डॉ. दिनेश कुमार सिंह

18

आचार्य विनोबा भावे जी के शैक्षिक दर्शन का शिक्षा पर प्रभाव

कुलदीप

गेस्ट प्रवक्ता शिक्षाशास्त्र विभाग, राजकीय महाविद्यालय शिन्धवालीसोड (उत्तरकाशी)

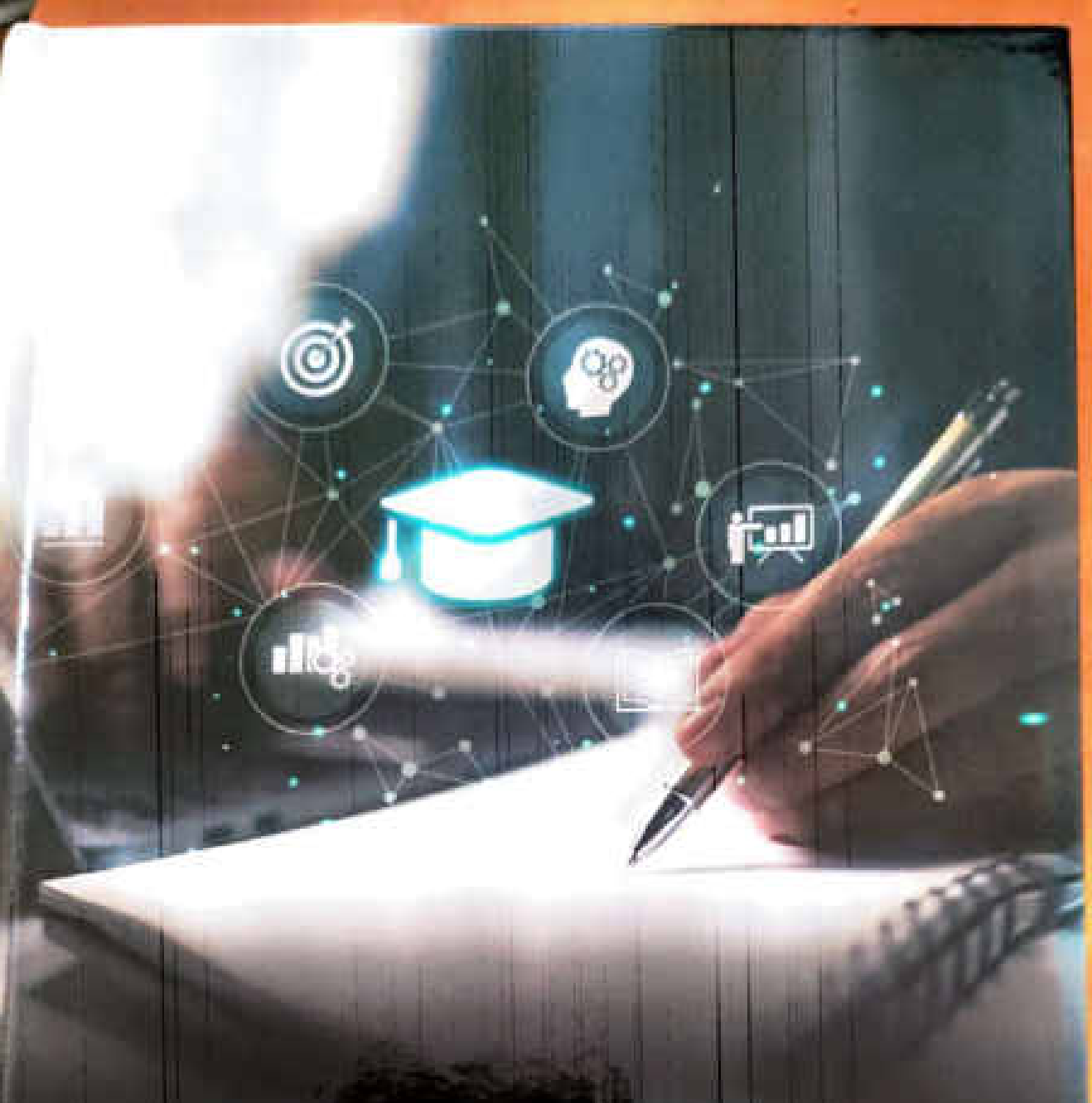
ई मेल: kuldeplamba29@gmail.com

सार

भारतीय शिक्षा जगत में आचार्य विनोबा भावे जी शिक्षा के आधार स्तंभ के रूप में खड़े हैं। भारतीय शिक्षा के क्षेत्र में आपुनिकतम परिवर्तन लाने की सोच इनके मस्तिष्क में हमेशा बनी रही, इसलिए इन्होंने भारतीय शिक्षा के प्रत्येक पहलू पर ध्यान केंद्रित करके सुधार हेतु अपने विचार प्रकट किए। आचार्य विनोबा भावे जी केवल नाम के संत नहीं थे बल्कि उन्होंने तत्कालीन भारतीय शिक्षा को उपयोगी बनाने पर बल दिया है। उनकी धारणा थी कि जब तक बालक में सामाजिकता एवं त्याग की भावना का विकास नहीं होगा तब तक वे समाज के विकास में अपना सक्रिय योगदान नहीं दे सकेंगे। लोगों में त्याग की भावना के विकास के लिए उन्होंने संपूर्ण भारत में भूदान आंदोलन चलाया और निर्धन भूमिहीनों को भूमि दिलवाई। आचार्य विनोबा भावे जी ने शिक्षा के सभी क्षेत्रों को अपने ज्ञान के प्रकाश से आलोकित किया है।

प्रस्तावना

शिक्षा मानव जीवन को उत्कृष्ट बनाने का एकमात्र सबसे उत्तम साधन है। शिक्षा प्राप्त करके ही मानव उत्तम जीव के रूप में निखरता है, अपनी समस्याओं का समाधान करने में सक्षम होता है। जीवन की उदारता, उत्कृष्टता एवं सुंदरता शिक्षा



CURRENT TRENDS AND ISSUES IN

EDUCATION

DR. HARISH KUMAR YADAV

REDMAC.se

CURRENT TRENDS AND ISSUES IN EDUCATION

by: Dr. Harish Kumar Yadav

RED'SHINE PUBLICATION

62/5834 Harplingegränd 110, LGH 1103. Älvsjö, 12573

Stockholm, Sweden

Call: +46 761508180

Email: info.redshine.se@europe.com

Website: www.redshine.se

Text © Editor, 2023

Cover page © RED'MAC, Inc, 2023

ISBN: 978-91-89764-20-0

ISBN-10: 91-89764-20-X

DIP: 18.10.918976420X

DOI: 10.25215/918976420X

Price: kr 150

First Edition: July, 2023

Alla rättigheter förbehållna. Ingen del av denna publikation får reproduceras eller användas i någon form eller på något sätt - fotografiskt, elektroniskt eller mekaniskt, inklusive fotokopiering, inspelning, bandning eller informationslagring och -hämtningsystem - utan föregående skriftligt tillstånd från författaren och utgivaren.

The views expressed by the authors in their articles, reviews etc. in this book are their own. The Editors, Publisher and owner are not responsible for them.

De åsikter som författarna uttrycker i deras artiklar, recensioner i denna bok är deras egna. Redaktörerna, utgivaren och ägaren ansvarar inte för dem.

Printed in Stockholm | Title ID: 918976420X

SR.NO.	CHAPTER & AUTHOR(S) NAME	PAGE NO.
19	POLITICAL CRIMINALIZATION Vineet Kumar	178
20	THE URGENT NEED TO SAFEGUARD CORAL REEFS IN THE FACE OF CLIMATE CHANGE Deepak Dharmsaktu	186
21	A LOOK AT NEP 2020 IN INDIA AND THE TRANSFORMATIVE ROLE OF ICT IN MODERN EDUCATION Alok Bijalwan	192
22	TECHNOLOGY IN EDUCATION Kuldeep	197
23	UNVEILING THE POWER OF VEDIC MATHEMATICS: EXPLORING CONCEPTS, APPLICATIONS, AND COGNITIVE BENEFITS Dinesh Chandra	204
24	SOCIAL AND CULTURAL AWAKENING IN MODERN INDIA Khushpal	212
25	GENERAL ANXIETY AMONG INDIAN PEOPLE IN RELATION TO KNOWLEDGE TOWARD COVID-19 INFECTION DURING LOCKDOWN PERIOD Yashpal Singh & Manju Raghav	217

Chapter 22

TECHNOLOGY IN EDUCATION

Kuldeep

Assistant Professor, Department of Education
Rajkiya Mahavidyalaya Chinyalisaur (Uttarkashi) Uttarakhand
Email Id: kuldeeplamba29@gmail.com

ABSTRACT

This article explores how technology is used in education and how it affects the teaching and learning process. It starts by giving a thorough explanation of what education is, showing the various ways in which it may be defined as knowledge, a subject, or a process. Next, the historical evolution of educational technology is investigated, beginning with the early creations of teaching machines and ending with the most recent developments in instructional methods and instruments. The idea of educational technology is looked at, with a focus on the use of psychological theories, scientific methodologies, and procedures to improve the efficacy, simplicity, and efficiency of the teaching and learning process. In the article, multiple definitions of educational technology are provided by eminent academics, emphasising its multidisciplinary character.

It further divides educational technology into three categories: system analysis, software approach, and hardware method. The uses and advantages of each strategy in educational contexts are examined. The benefits of educational technology are discussed, including its capacity to improve instruction, create connections between the curriculum and classroom dialogue, and foster creativity. The purposes of educational technology are also discussed, including formulating, organising, and assessing educational goals as well as promoting efficient teaching and learning. Overall, the essay highlights how important educational technology is to contemporary learning and how it has the ability to improve student learning results.



CURRENT TRENDS AND ISSUES IN

EDUCATION

DR. HARISH KUMAR YADAV

SR.NO.	CHAPTER & AUTHOR(S) NAME	PAGE NO.
19	POLITICAL CRIMINALIZATION Vineet Kumar	178
20	THE URGENT NEED TO SAFEGUARD CORAL REEFS IN THE FACE OF CLIMATE CHANGE Deepak Dharmsaktu	186
21	A LOOK AT NEP 2020 IN INDIA AND THE TRANSFORMATIVE ROLE OF ICT IN MODERN EDUCATION Alok Bijalwan	192
22	TECHNOLOGY IN EDUCATION Kuldeep	197
23	UNVEILING THE POWER OF VEDIC MATHEMATICS: EXPLORING CONCEPTS, APPLICATIONS, AND COGNITIVE BENEFITS Dinesh Chandra	204
24	SOCIAL AND CULTURAL AWAKENING IN MODERN INDIA Khushpal	212
25	GENERAL ANXIETY AMONG INDIAN PEOPLE IN RELATION TO KNOWLEDGE TOWARD COVID-19 INFECTION DURING LOCKDOWN PERIOD Yashpal Singh & Manju Raghav	217

REDMAC.se

CURRENT TRENDS AND ISSUES IN EDUCATION

by: Dr. Harish Kumar Yadav

RED'SHINE PUBLICATION

62/5834 Harplingegränd 110, LGH 1103. Älvsjö, 12573

Stockholm, Sweden

Call: +46 761508180

Email: info.redshine.se@europa.com

Website: www.redshine.se

Text © *Editor*, 2023

Cover page © RED'MAC, Inc, 2023

ISBN: 978-91-89764-20-0

ISBN-10: 91-89764-20-X

DIP: 18.10.918976420X

DOI: 10.25215/918976420X

Price: kr 150

First Edition: July, 2023

Alla rättigheter förbehållna. Ingen del av denna publikation får reproduceras eller användas i någon form eller på något sätt - fotografiskt, elektroniskt eller mekaniskt, inklusive fotokopiering, inspelning, bandning eller informationslagring och -hämtningssystem - utan föregående skriftligt tillstånd från författaren och utgivaren.

The views expressed by the authors in their articles, reviews etc. in this book are their own. The Editors, Publisher and owner are not responsible for them.

De åsikter som författarna uttrycker i deras artiklar, recensioner i denna bok är deras egna. Redaktörerna, utgivaren och ägaren ansvarar inte för dem.

Printed in Stockholm | Title ID: 918976420X

Chapter 20
**THE URGENT NEED TO SAFEGUARD CORAL REEFS IN THE
FACE OF CLIMATE CHANGE**

Deepak Dharmsaktu

Assistant professor, Department of Geography

Rajkiya Mahavidyalaya Chinyalisaur, Uttarkashi Uttarkhand

Email Id: deepakdharmsaktu93@gmail.com

ABSTRACT

Climate change poses a severe threat to coral reef ecosystems, which are experiencing escalating challenges such as coral bleaching, ocean acidification, disease outbreaks, rising sea levels, and altered ocean circulation. These impacts have far-reaching implications for marine life and conservation efforts. The loss of biodiversity, economic and social impacts, food security concerns, and the potential loss of medicinal resources are among the major implications of climate change on coral reefs. To protect and preserve these fragile ecosystems, urgent action is required. Strategies such as reducing greenhouse gas emissions, establishing marine protected areas, promoting sustainable fishing practices, reducing pollution, supporting restoration and conservation programs, and raising public awareness are crucial. By prioritizing these conservation efforts, we can ensure the survival and resilience of coral reefs for future generations.

KEYWORDS: *Coral reefs, climate change, global warming, greenhouse gases, ocean acidification, coral bleaching, disease outbreaks, rising sea levels, altered storm patterns, ocean circulation.*

INTRODUCTION

Coral reefs, the vibrant and diverse ecosystems that dot our planet's oceans, are under severe threat due to the impacts of climate change. Scientific data unequivocally shows that human-induced greenhouse gas emissions are primarily responsible for the warming of the Earth's atmosphere and oceans. As temperatures rise, coral reef ecosystems face escalating challenges

National Education Policy 2020

Reforms in Indian Education System

**Vineet Kumar
Kuldeep
Deepak Dharmsaktu
Dr. Harish Kumar Yadav**



Published by:

P.K. Publishers & Distributors

J-231/1A, Gali No. 14, 4th Pushta,
Kartar Nagar, Delhi-110053

Mobile: +91 95404-83251, +91 79825-51449

E-mail: pkpublication@gmail.com

Website: www.pkpublishers.com

**National Education Policy 2020
Reforms in Indian Education System**

© Authors

Edition: **First, 2023**

ISBN: 978-81-19428-51-9

All rights reserved no part of this work may be reproduced, stored in a retrieval system, or transmitted in any form or by any means, electronic, mechanical photocopying, recording or otherwise, without the prior written permission of the Publisher.

This Book has been published in good faith that the material provided by author is original. Every effort is made to ensure accuracy of material but the publisher and printer will not be held responsible for any inadvertent errors.

Printed in India

Published by P.K. Publishers & Distributors, Delhi-53, Laser Typeset by Garpal Computers (Amandeep Singh), Nawanshahr, Punjab. Printed at Sachin Printers, Delhi-53.

- | | | | |
|-----|--|----|----|
| 12. | New Education Policy: An Outline
Dr. Shalini Pandey | | |
| 13. | National Education Policy 2020 and E-learning: An In-depth
Theoretical Analysis
Shahrukh Jamal Ansari | 26 | 24 |
| 14. | NEP 2020 Streamlining Reforms for a Prosperous Future
Dr. Dayal Pyari | 27 | 25 |
| 15. | Education of Disadvantaged Group of People in India:
An Overview
Dr. Kapilendra Das | 28 | 26 |
| 16. | Nep-2020: Reforms, Vision and Innovation to Transform India's
Higher Education
Pramod Verma | 29 | 27 |
| 17. | NEP 2020 in HEIs: A Captious Appraisal
Dr. Sonia Mittal, Tamanna, 3Nutan | 30 | 28 |
| 18. | New Education Policy 2020- Pathway Towards
Multidisciplinary Education
Dr. Srirupa Ray | 31 | 29 |
| 19. | Impact of New Education Policy 2020 on Higher Education
Manisha Uniyal Bhatt | 32 | 30 |
| 20. | New Education Policy 2020: A Strategy for Secondary and
Higher Education in India
Jugmaheer Gautam | 33 | 31 |
| 21. | Augmented Reality Integration in the National Education
Policy 2020: A Catalyst for Educational Reform in India
Dr. Sachin Kumar, Dr. Anita Singh | 34 | 32 |
| 22. | New Education Policy 2020 and Impact on Educational System
of India
Mr. Deepak Dharmasaktu | 35 | 33 |
| 23. | Empowering Human Rights: Unveiling India's Educational
Transformation and the National Education Policy 2020
Dr. Faiza Altaf & Dr. Ali Haider ² | 36 | 34 |
| 24. | नई शिक्षा नीति 2020: उच्च शिक्षा का बदलता स्वरूप
खुशपाल | 37 | 35 |
| 25. | स्वतंत्र भारत में शिक्षा नीतियों का बदलता स्वरूप
कुलदीप | 38 | 36 |

New Education Policy 2020 and Impact on Educational System of India

Mr. Deepak Dharmasakti

Assistant professor, Department of Geography, Rajkya Mahavidyalaya, Chinyalsew, Uttaraksh
Email: deepakdharmasakti1993@gmail.com

ABSTRACT

The National Education Policy 2020 (NEP 2020) is formulated to revamp education system and lay down road map for new India. It was approved Indian cabinet on 29th July 2020. This paper is a maiden attempt to highlight NEP 2020 and study India 2.0 vision towards overall transformation education system to meet the challenges of 21st Century. Findings are based on a systematic review of existing literature. It was found that one of the main objectives of NEP 2020 is to increase student's enrollment in all educational institutions such as elementary school, professional and higher education by 2030. To achieve that it has suggested progressive reform in the existing education and governance systems. NEP 2020 is expected to give big leap to higher education in India. The vision is to create India 2.0 for 21st century which is bound to take leadership role at global arena. NEP 2020 is largely a very progressive document, with a firm grasp on the current socio-economic landscape and the prospect to meet future challenges. If implemented properly, then it has got everything to make India global hub in education by 2030.

Keywords: NEP 2020, India, higher education institution (HEI), gross enrollment ratio (GER).

INTRODUCTION

Education is fundamental for achieving full human potential, developing an equitable and just society, and promoting national development. Providing universal access to quality education is the key to India's continued ascent and leadership on the global stage in terms of economic growth, social justice

सामाजिक विज्ञान, भाषा और शिक्षा में
बहु-विषयक दृष्टिकोण

संपादक-जीवित

डॉ. प्रदीप कुमार

जीवित, भाषा, शिक्षा, शिक्षा, शिक्षा
बहु-विषयक दृष्टिकोण सामाजिक विज्ञान
सामाजिक विज्ञान



डॉ. रवीश कुमार

जीवित, भाषा
बहु-विषयक दृष्टिकोण सामाजिक विज्ञान
सामाजिक विज्ञान, शिक्षा, भाषा



डॉ. अमित कुमार

जीवित, भाषा - सामाजिक विज्ञान
सामाजिक विज्ञान सामाजिक विज्ञान,
सामाजिक विज्ञान



पी.के. पब्लिशर्स ग्रुप लिमिटेड्स

9-23/1/A, प्लॉट नं. 14, बंगला पुरा, बंगला पुरा
दिल्ली - 110015

फोन नं. 011-26464321, 011-26464342

Email - pkpublications@gmail.com

Website - www.pkpublications.com

सामाजिक विज्ञान, भाषा और शिक्षा में
बहु-विषयक दृष्टिकोण

सामाजिक विज्ञान, भाषा और शिक्षा में
बहु-विषयक दृष्टिकोण

सामाजिक विज्ञान, भाषा
और शिक्षा में
बहु-विषयक दृष्टिकोण



संपादक-जीवित
डॉ. रवीश कुमार
डॉ. प्रदीप कुमार
डॉ. अमित कुमार



प्रकाशक:

पी. के. पब्लिशर्स एंड डिस्ट्रीब्यूटर्स

जे-231 /A, गली नं. 14, चौथा पुरवा,
कस्तूर नगर, दिल्ली-110053

फोन: +919540483251, +91 7982551440

E-mail: pkpublications@gmail.com

Website: www.pkpublishers.com

सामाजिक विज्ञान, भाषा और शिक्षा में बहु-विषयक दृष्टिकोण

© सर्वाधिकार लेखकाधीन

प्रथम संस्करण: जुलाई, 2023

आई.एस.बी.एन. : 978-93-92239-92-2

भारत में मुद्रित:

पी. के. पब्लिशर्स एंड डिस्ट्रीब्यूटर्स, दिल्ली-53 के लिए प्रकाशित एवं गुरपाल कम्प्यूटर्स,
नवाशहर (पंजाब) द्वारा शब्द संयोजन तथा सचिन प्रिंटर्स, मौजपुर, दिल्ली-53 में मुद्रित।

विषय सूची

1. भारत में जनसंख्या वृद्धि: प्रभाव और परिणाम श्री शिवेन्द्र सिंह	1
2. छत्तीसगढ़ में सशक्तिकरण की दिशाएँ डॉ. (श्रीमती) मञ्जुलता कश्यप	11
3. जाम्भोजी दर्शन में पर्यावरण संरक्षण रामसेवक राम भगत	22
4. अर्थशास्त्र एक राजनैतिक ग्रंथ (एक विश्लेषणात्मक अध्ययन) डॉ. विनी शर्मा	28
5. सरस्वती नदी मिथक या इतिहास? दीपक सिंह धर्मशतु, आलोक विजल्लवाण	38
6. मानव मूल्य और संत साहित्य (संत कबीर के सन्दर्भ में) डॉ. दीपा मद्देशिया	44
7. हिंदी भाषा की पुनर्जागरण प्रसादराव जामि	52
8. समकालीन हिन्दी साहित्य विमर्श डॉ. सुनीता देवी	57
9. विष्णु प्रभाकर के उपन्यास साहित्य में नारी डॉ. लिट्टी वोहन्नान	73
10. आधुनिक हिन्दी साहित्य में किसान विमर्श डॉ. पुष्पा रानी	78
11. चम्पूरामायणे हनुमतः चरित्रचित्रणम् Itisri Mishra	84

5

सरस्वती नदी मिथक या इतिहास?

दीपक सिंह धर्मशक्त, आलोक विज्ञानवाण'

'असिस्टेंट प्रोफेसर भूगोल विभाग, राजकीय महाविद्यालय किन्गाजीगौड (उदरगञ्ज)

Email: deepakdharmshaktu1993@gmail.com

'असिस्टेंट प्रोफेसर अरबी विभाग, राजकीय महाविद्यालय किन्गाजीगौड (उदरगञ्ज)

Email: bijalwan_alok25@outlook.com

हमारा देश भारत न जाने कितनी विविधताओं से भरपूर है। कई तरह के खूबसूरत और मनोरम दृश्य भारत देश में है। भारत न सिर्फ पहाड़ियों और समुद्रों के लिए एक अद्भुत जगह है बल्कि ये कई नदियों का संगम भी है। गंगा और यमुना नदी के उद्गम स्थान के साथ हमारा देश सरस्वती जैसी पौराणिक नदी को भी अपने नक्शों में शामिल करने का गवाह है। हमारे देश में सदियों से न जाने कितनी सस्कृतियों का जन्म हुआ और विलुप्त हो गयीं। लेकिन नदियां अपना पवित्र जल सभी के कल्याण के लिए देती गयीं और अभी भी अपने जल से सभी को सराबोर करने में लगी हुई ऐसी ही नदियों में से एक सरस्वती, जो शायद अब कहीं विलुप्त हो गयी है या फिर शायद किसी और नदी की गोद में सिमट गयी है। क्या सच में इस नदी ने हमसे विदा ले ली है? सरस्वती नदी का नाम तो सभी ने सुना लेकिन उसे किसी ने देखा नहीं। माना जाता है कि प्रयाग में गंगा, यमुना और सरस्वती का मिलन होता है इसीलिए उसे त्रिवेणी संगम कहते हैं। लेकिन यह शोध का विषय है कि क्या सचमुच सरस्वती कभी प्रयाग पहुंचकर गंगा या यमुना में मिली? जब नहीं मिली तो क्यों कहा जाता है त्रिवेणी संगम।

पांच सवाल हैं:- 1. क्या कभी सरस्वती नदी का अस्तित्व था? 2. क्या है इसका वैज्ञानिक आधार? 3. यदि सरस्वती नदी थी तो वह क्यों लुप्त हो गई? 4. क्या सरस्वती नदी कभी गंगा से मिली?



CURRENT TRENDS AND ISSUES IN
EDUCATION

DR. HARISH KUMAR YADAV

REDMAC.Se

CURRENT TRENDS AND ISSUES IN EDUCATION

by: Dr. Harish Kumar Yadav

-

RED'SHINE PUBLICATION

62/5834 Harplingegränd 110, LGH 1103. Älvsjö, 12573

Stockholm, Sweden

Call: +46 761508180

Email: info.redshine.se@europe.com

Website: www.redshine.se

-

Text © Editor, 2023

Cover page © RED'MAC, Inc, 2023

-

ISBN: 978-91-89764-20-0

ISBN-10: 91-89764-20-X

DIP: 18.10.918976420X

DOI: 10.25215/918976420X

Price: kr 150

First Edition: July, 2023

-

Alla rättigheter förbehållna. Ingen del av denna publikation får reproduceras eller användas i någon form eller på något sätt - fotografiskt, elektroniskt eller mekaniskt, inklusive fotokopiering, inspelning, bandning eller informationslagring och - hämtningsystem - utan föregående skriftligt tillstånd från författaren och utgivaren.

-

The views expressed by the authors in their articles, reviews etc. in this book are their own. The Editors, Publisher and owner are not responsible for them.

De åsikter som författarna uttrycker i deras artiklar, recensioner i denna bok är deras egna. Redaktörerna, utgivaren och ägaren ansvarar inte för dem.

Printed in Stockholm | Title ID: 918976420X

SR.NO.	CHAPTER & AUTHOR(s) NAME	PAGE NO.
19	POLITICAL CRIMINALIZATION Vineet Kumar	178
20	THE URGENT NEED TO SAFEGUARD CORAL REEFS IN THE FACE OF CLIMATE CHANGE Deepak Dharmsaktu	186
21	A LOOK AT NEP 2020 IN INDIA AND THE TRANSFORMATIVE ROLE OF ICT IN MODERN EDUCATION Alok Bijalwan	192
22	TECHNOLOGY IN EDUCATION Kuldeep	197
23	UNVEILING THE POWER OF VEDIC MATHEMATICS: EXPLORING CONCEPTS, APPLICATIONS, AND COGNITIVE BENEFITS Dinesh Chandra	204
24	SOCIAL AND CULTURAL AWAKENING IN MODERN INDIA Khushpal	212
25	GENERAL ANXIETY AMONG INDIAN PEOPLE IN RELATION TO KNOWLEDGE TOWARD COVID-19 INFECTION DURING LOCKDOWN PERIOD Yashpal Singh & Manju Raghav	217

SOCIAL AND CULTURAL AWAKENING IN MODERN INDIA

Khushpal

Assistant Professor, Department of History
Rajkiya Mahavidyalaya Chinyalisaur (Uttarkashi)
Email Id: -khushpalpremi060@gmail.com

19th century India was characterized by tremendous intellectual and cultural upheaval. The influence of modern Western culture and the consciousness of being defeated by a foreign power created a new awakening among the people. The masses had realised that due to Indian social structure and cultural weaknesses a handful of foreigners turned India into a colony. Foreign invaders defeated Indians many times and many foreigners ruled India but Indians never lost confidence, their civilization and culture is better than the culture of these foreign rulers. It often happened that all the foreigners who settled in India adopted Indian religion, culture and civilization and became an integral part of Indian society and fully absorbed in them. But the English invaders were completely different. In the 18th century, there was a new intellectual wave in Europe, which resulted in an era of awakening, the spirit of rationalism and exploration gave European society a progress. Science and scientific outlook influenced all aspects political, military, economic, social and cultural and now Europe was the leading continent of civilization. Thus, India was confronted with an aggressor who was not only white in colour but also considered himself socially and culturally superior. It seemed that as if India would be completely defeated by Western ideas and values, it seemed as if India had lagged far behind in the race for civilization in the world. Some English-educated Bengali youths, who were called followers of Derozio, had developed hatred for Hinduism and culture. And he not only abandoned Hindu ideas and traditions, but also caused great resentment to the sentiments of Hindus by consuming alcohol and eating beef. Wise Indian people realized the strengths and weaknesses of their society and also started looking for ways to overcome the weaknesses. People gradually began to believe that some elements of modern Western thought would have

National Education Policy 2020

Reforms in Indian Education System



**Vineet Kumar
Kuldeep
Deepak Dharmsaktu
Dr. Harish Kumar Yadav**

Published by:

P.K. Publishers & Distributors

J-231/1A, Gali No. 14, 4th Pushta,

Kartar Nagar, Delhi-110053

Mobile: +91 95404-83251, +91 79825-51449

E-mail: pkpublication@gmail.com

Website: www.pkpublishers.com

National Education Policy 2020

Reforms in Indian Education System

© Authors

Edition: First, 2023

ISBN: 978-81-19428-51-9

All rights reserved no part of this work may be reproduced, stored in a retrieval system or transmitted in any form or by any means, electronic, mechanical, photocopying, recording or otherwise, without the prior written permission of the Publisher.

This Book has been published in good faith that the material provided by author is original. Every effort is made to ensure accuracy of material but the publisher and printer will not be held responsible for any inadvertent errors.

12.	New Education Policy: An Outline Dr. Shalini Pandey	91
13.	National Education Policy 2020 and E-learning: An In-depth Theoretical Analysis Shabrukh Jamal Ansari	95
14.	NEP 2020 Streamlining Reforms for a Prosperous Future Dr. Daval Pyari	109
15.	Education of Disadvantaged Group of People in India: An Overview Dr. Kapileendra Das	115
16.	Nep-2020: Reforms, Vision and Innovation to Transform India's Higher Education Pramod Verma	121
17.	NEP 2020 in HEIs: A Captious Appraisal Dr. Sonia Mittal, Tamanna, 3Nutan	128
18.	New Education Policy 2020- Pathway Towards Multidisciplinary Education Dr. Srirupa Ray	138
19.	Impact of New Education Policy 2020 on Higher Education Manisha Uniyal Bhatt	143
20.	New Education Policy 2020: A Strategy for Secondary and Higher Education in India Jugmaheer Gautam	148
21.	Augmented Reality Integration in the National Education Policy 2020: A Catalyst for Educational Reform in India Dr. Sachin Kumar, Dr. Anita Singh	156
22.	New Education Policy 2020 and Impact on Educational System of India Mr. Deepak Dharmsaktu	163
23.	Empowering Human Rights: Unveiling India's Educational Transformation and the National Education Policy 2020 Dr. Faiza Altaf ¹ & Dr. Ali Haider ²	168
24.	नई शिक्षा नीति 2020: उच्च शिक्षा का बदलता स्वरूप खुशपाल	168
25.	स्वतंत्र भारत में शिक्षा नीतियों का बदलता स्वरूप कुलदीप	173

नई शिक्षा नीति 2020: उच्च शिक्षा का बदलता स्वरूप

खुशपाल

असिस्टेंट प्रोफेसर इतिहास, राजकीय महाविद्यालय चिन्धलीसोड, उत्तरकाशी

Email-khushpalpremi060@gmail.com

कक्षा

विद्यालय व राष्ट्र निर्माता डॉ. भीमराव अंबेडकर ने शिक्षा के संदर्भ में कहा था कि शिक्षा ऐसी होनी चाहिए जो सर्वमुलभ हो अर्थात् जो शिक्षा पाना चाहे शिक्षा उसकी पहुंच में हो। कस्तूरिीरगन समिति ने भी सरकार के पुनः सत्तारूढ़ होने के कुछ ही समय के भीतर अपना अंतिम दस्तावेज सरकार को सौंप दिया था। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में बहुत सारे लक्ष्यों को 2030 तक की समय सीमा के क्षेत्र हासिल करने का लक्ष्य रखा गया। नई शिक्षा नीति 2020 से पूर्व 1968 एंव 1986 जिसे 1992 में संशोधित किया गया के उपरांत यह नई राष्ट्र नीति 2020 लाई गई। भारतीय उच्च शिक्षा के संदर्भ में यह नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति कहा तक कारगर साबित हो सकती है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति के प्रारूप में भारत सरकार ने 29 जुलाई 2020 को अपनी मजूरी दी और इस तरह पिछले 6 वर्षों से चल रहे प्रयासों को विराम लग गया है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 ने इस लक्ष्य को हासिल करने के लिए भारत में 3 से 18 वर्ष की उम्र के सभी बच्चों के लिए पूर्व प्राथमिक से उच्च माध्यमिक तक शिक्षा प्रदान करने का लक्ष्य निर्धारित किया है। जिसे 2030 तक पूरा करना है। नई शिक्षा नीति 2020 में मंत्रिमंडल द्वारा मानव संसाधन विकास मंत्रालय का नाम बदलकर अब शिक्षा मंत्रालय किया गया और शिक्षा मंत्रालय नामकरण करने का मुख्य उद्देश्य शिक्षा और सीखने की ओर अधिक ध्यान देने पर जोर देना बताया गया है। सन 1950 में शिक्षा को धारा 45 के अंतर्गत भारतीय संविधान के मौलिक सिद्धांतों में शामिल करते हुए 10 वर्षों में सभी बच्चों को समान रूप से गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने का वादा किया गया था। इसके पश्चात कई आयोगों ने शिक्षा नीतियों और कार्यक्रमों की तरफ से कई सकारात्मक सिफारिशों के सामने आईं। 1968 की शिक्षा नीति में शिक्षा को बनाने के लिए भावी समाज का निर्माण करना और राष्ट्रीय विकास में शिक्षा को तैयार करना इसका मूल उद्देश्य रखा गया था। इसके पश्चात 1986 की शिक्षा नीति

118A

(21)

Multidisciplinary Approach in Humanities, Arts and Science

Praveen Kumar
Dr. Harish Kumar Yadav

Published by:

P.K. Publishers & Distributors

J-231/1A, Gali No. 14, 4th Pushta,

Kartar Nagar, Delhi-110053

Mobile: +91 95404-83251, +91 79825-51449

E-mail: pkpublication@gmail.com

Website: www.pkpublishers.com

Multidisciplinary Approach in Humanities, Arts and Science

© Editors

Edition: First October, 2023

ISBN: 978-81-19428-92-2

All rights reserved no part of this work may be reproduced, stored in a retrieval system, or transmitted in any form or by any means, electronic, mechanical, photocopying, recording or otherwise, without the prior written permission of the Publisher.

This Book has been published in good faith that the material provided by author is original. Every effort is made to ensure accuracy of material but the publisher and printer will not be held responsible for any inadvertent errors.

Printed in India

Published by P.K. Publishers & Distributors, Delhi-53, Laser Typeset by Guralp Computers (*Amandeep Singh*), Nawanshahr, Punjab. Printed at Sachin Printers, Delhi-53.

- | | |
|---|-----|
| 9. Investigating the Impact of Educators on the Academic Success of Children with Dyslexia
<i>Shivani</i> | 117 |
| 10. Corporate Social Responsibility Practices and Compliances of Miniratna-I CPSEs: An Analysis
<i>Dr. Srirupa Ray</i> | 141 |
| 11. Transformative Effects of NEP 2020 on Primary Education
<i>Dr. Pramod Kumar</i> | 163 |
| 12. Communication a Cornerstone of Entrepreneurship
<i>Dr. Mangala Tomar</i> | 183 |
| 13. Lean Production System
<i>Mukesh Kumar, Kuldeep Pal</i> | 191 |
| 14. Artificial Intelligence in Indian Education System
<i>Dr. Samir Kumar Panigrahi, Chandra Sekhar Dasmohapatra</i> | 214 |
| 15. Cancer Biology, Epidemiology and Therapy
<i>Piyush Shukla, Deepali Shukla, Apeksha Pandey, Satendra Kumar Nirala</i> | 225 |
| 16. Curcumin: Current Understanding on Present Knowledge
<i>Piyush Shukla</i> | 236 |
| 17. Impact of Digital Transformation on Entrepreneurship
<i>Dr. S. Bellarmin Diana</i> | 256 |
| 18. ग्रामीण क्षेत्रों में पुस्तकालय आज की आवश्यकता
<i>डॉ. अमित चमौली</i> | 270 |
| 19. भारतीय भाषाओं के संवर्धन व संरक्षण में राष्ट्रीय शिक्षा नीति - 2020 का योगदान
<i>डॉ. सुनील थुआ</i> | 275 |

11

Transformative Effects of NEP 2020 on Primary Education

Dr. Pramod Kumar

Assistant Professor Department of Economics,
Government Degree College Chinyalisaur, Uttarkashi

Introduction

Education is fundamental for achieving full human potential an equitable and just society, and promoting national development. Providing universal access to quality education is the key to India's continued ascent, and leadership on the global stage in terms of economic growth, social justice and equality, scientific advancement, national integration, cultural preservation. Universal high-quality education is the best way forward for developing and maximizing our country's rich talents and resources for the good of the individual, the society, the country, and the world. India will have the highest population of your people in the world over the next decade, and our ability to provide high quality educational opportunities to them will determine the future of our country.

The global education development agenda reflected in the Goal 4 of the 2030 Agenda for Sustainable Development, adopted by India in 2015 seek to "ensure inclusive and equitable quality education and promote lifelong learning



CURRENT TRENDS AND ISSUES IN
EDUCATION

DR. HARISH KUMAR YADAV

REDMAC.se

CURRENT TRENDS AND ISSUES IN EDUCATION

by: Dr. Harish Kumar Yadav

RED'SHINE PUBLICATION

62/5834 Harplingegränd 110, LGH 1103. Älvsjö, 12573

Stockholm, Sweden

Call: +46 761508180

Email: info.redshine.se@europe.com

Website: www.redshine.se

Text © Editor, 2023

Cover page © RED'MAC, Inc, 2023

ISBN: 978-91-89764-20-0

ISBN-10: 91-89764-20-X

DIP: 18.10.918976420X

DOI: 10.25215/918976420X

Price: kr 150

First Edition: July, 2023

Alla rättigheter förbehållna. Ingen del av denna publikation får reproduceras eller användas i någon form eller på något sätt - fotografiskt, elektroniskt eller mekaniskt, inklusive fotokopiering, inspelning, bandning eller informationslagring och hämtningssystem - utan föregående skriftligt tillstånd från författaren och utgivaren.

The views expressed by the authors in their articles, reviews etc. in this book are their own. The Editors, Publisher and owner are not responsible for them.

De åsikter som författarna uttrycker i deras artiklar, recensioner i denna bok är deras egna. Redaktörerna, utgivaren och ägaren ansvarar inte för dem.

Printed in Stockholm | Title ID: 918976420X

SR.NO.	CHAPTER & AUTHOR(S) NAME	PAGE NO.
19	POLITICAL CRIMINALIZATION Vineet Kumar	178
20	THE URGENT NEED TO SAFEGUARD CORAL REEFS IN THE FACE OF CLIMATE CHANGE Deepak Dharmsaktu	186
21	A LOOK AT NEP 2020 IN INDIA AND THE TRANSFORMATIVE ROLE OF ICT IN MODERN EDUCATION Alok Bijalwan	192
22	TECHNOLOGY IN EDUCATION Kuldeep	197
23	UNVEILING THE POWER OF VEDIC MATHEMATICS: EXPLORING CONCEPTS, APPLICATIONS, AND COGNITIVE BENEFITS Dinesh Chandra	204
24	SOCIAL AND CULTURAL AWAKENING IN MODERN INDIA Khushpal	212
25	GENERAL ANXIETY AMONG INDIAN PEOPLE IN RELATION TO KNOWLEDGE TOWARD COVID-19 INFECTION DURING LOCKDOWN PERIOD Yashpal Singh & Manju Raghav	217

Chapter 21

A LOOK AT NEP 2020 IN INDIA AND THE TRANSFORMATIVE ROLE OF ICT IN MODERN EDUCATION

Alok Bijalwan

Assistant Professor, Department of English,
Rajkiya Mahavidyalaya Chhryalsaur (Jharkhand)
Email id: bijalwan_alok25@outlook.com

ABSTRACT

This article investigates the complex role of information and communication technology (ICT) in modern education, with a special emphasis on India's National Education Policy (NEP) 2020. ICT has revolutionised traditional ways to teaching and learning, and the NEP 2020 recognises how technology is altering education. The article covers the NEP 2020's five core ICT roles in education. For starters, ICT improves access to high-quality educational resources, bridging the digital divide and giving students equitable access to educational materials. It allows for self-paced learning using online portals and platforms, as well as online courses and distance learning, which is especially useful during situations like the COVID-19 epidemic. In addition, information and communication technology empowers teachers by providing them with tools to improve teaching methods and student performance. Lesson plans, instructional materials, multimedia content, and chances for ongoing professional development are all easily available on online platforms. Subsequently, ICT encourages flexible and individualised learning by identifying different learning preferences and developing material appropriately. Personalised learning paths are made possible by adaptive technology and learning management systems, which better meet the needs of individual students. Furthermore, ICT encourages project-based learning and collaboration, enabling students to work together across geographic boundaries. Teamwork, critical thinking, and problem-solving abilities are improved by using virtual platforms and collaborative software to support group projects, conversations, and information sharing.

As a last step towards democratising education and expanding access to top-notch materials, ICT makes the most of Open Educational materials (OER). OER may be shared and disseminated using ICT platforms, increasing educational opportunities outside of traditional classroom settings. So, there is the need of equitable access to ICT infrastructure and resources as well as the transformational potential of ICT in education. Emphasis how crucial it is to give teachers the right training and assistance so they can successfully incorporate ICT into their lesson plans. India can raise a new generation of leaders, advance inclusive, learner-centred education, and boost productivity by embracing the goals of NEP 2020 and using ICT to its fullest potential.

KEYWORDS: *Information and Communication Technology (ICT), National Education Policy (NEP) 2020, access to education, self-paced learning, online learning, distance learning, professional development, customized learning, personalized learning pathways, collaborative learning, project-based learning, Open Educational Resources (OER), equal access, training and support, transformative education.*

INTRODUCTION

Information and communication technology (ICT) has a significant impact on every aspect of our life in the current digital era. Its influence is felt in a variety of fields, including education, where it has transformed conventional approaches to teaching and learning. ICT's importance is highlighted in India's National Education Policy (NEP) 2020, which also highlights how technology is changing the face of education. The goal of this article is to examine the varied functions of ICT in contemporary education, with a special emphasis on the NEP 2020's plan for using ICT in India.

1. Increasing Access to High-Quality Education

Access to high-quality education for all students, regardless of their socioeconomic circumstances, is one of the main objectives of the NEP 2020. In order to close the digital divide and guarantee equal access to educational resources, ICT is crucial. Students can access learning resources like lectures, interactive modules, and digital platforms through online learning portals and digital



CURRENT TRENDS AND ISSUES IN
EDUCATION

DR. HARISH KUMAR YADAV

REDMAC.Se

CURRENT TRENDS AND ISSUES IN EDUCATION

by: Dr. Harish Kumar Yadav

RED'SHINE PUBLICATION

62/5834 Harplingegränd 110, LGH 1103. Älvsjö, 12573

Stockholm, Sweden

Call: +46 761508180

Email: info.redshine.se@europe.com

Website: www.redshine.se

Text © Editor, 2023

Cover page © RED'MAC, Inc, 2023

ISBN: 978-91-89764-20-0

ISBN-10: 91-89764-20-X

DIP: 18.10.918976420X

DOI: 10.25215/918976420X

Price: kr 150

First Edition: July, 2023

Alla rättigheter förbehållna. Ingen del av denna publikation får reproduceras eller användas i någon form eller på något sätt - fotografiskt, elektroniskt eller mekaniskt, inklusive fotokopiering, inspelning, bandning eller informationslagring och -hämtningssystem - utan föregående skriftligt tillstånd från författaren och utgivaren.

The views expressed by the authors in their articles, reviews etc. in this book are their own. The Editors, Publisher and owner are not responsible for them.

De åsikter som författarna uttrycker i deras artiklar, recensioner i denna bok är deras egna. Redaktörerna, utgivaren och ägaren ansvarar inte för dem.

Printed in Stockholm | Title ID: 918976420X

SR.NO.	CHAPTER & AUTHOR(S) NAME	PAGE NO.
19	POLITICAL CRIMINALIZATION Vineet Kumar	178
20	THE URGENT NEED TO SAFEGUARD CORAL REEFS IN THE FACE OF CLIMATE CHANGE Deepak Dharmsaktu	186
21	A LOOK AT NEP 2020 IN INDIA AND THE TRANSFORMATIVE ROLE OF ICT IN MODERN EDUCATION Alok Bijalwan	192
22	TECHNOLOGY IN EDUCATION Kuldeep	197
23	UNVEILING THE POWER OF VEDIC MATHEMATICS: EXPLORING CONCEPTS, APPLICATIONS, AND COGNITIVE BENEFITS Dinesh Chandra	204
24	SOCIAL AND CULTURAL AWAKENING IN MODERN INDIA Khushpal	212
25	GENERAL ANXIETY AMONG INDIAN PEOPLE IN RELATION TO KNOWLEDGE TOWARD COVID-19 INFECTION DURING LOCKDOWN PERIOD Yashpal Singh & Manju Raghav	217

Chapter 23

UNVEILING THE POWER OF VEDIC MATHEMATICS: EXPLORING CONCEPTS, APPLICATIONS, AND COGNITIVE BENEFITS

Dinesh Chandra

Assistant professor, Department of Mathematics,

Rajkiya Mahavidyalaya Chinyalisaur, Uttarakashi, Uttarakhand

Email Id: dineshpandey2810@gmail.com

ABSTRACT

Mathematical calculations can be approached historically and intuitively using Vedic mathematics, which has its roots in the ancient Indian writings known as the Vedas. This study explores the concepts, methods, and uses of Vedic mathematics, emphasising its relevance to contemporary society. The history of Vedic mathematics, its 16 sutras and sub-sutras, and its ability to make complicated computations simpler are all covered in this article. It looks at how Vedic mathematics is used in digital computation, algebra, geometry, and trigonometry. The article also covers the importance of Vedic mathematics in education, as well as its advantages for cognitive development and contribution to mathematical innovation. It also highlights Vedic mathematics' cultural background and its applicability in a variety of sectors. People can discover their mathematical potential, improve their problem-solving abilities, and recognize the beauty of this age-old mathematical system by learning about Vedic mathematics.

KEYWORDS: Vedic mathematics, sutras, sub-sutras, arithmetic, algebra, digital computation, education, cognitive benefits, mathematical creativity.

INTRODUCTION

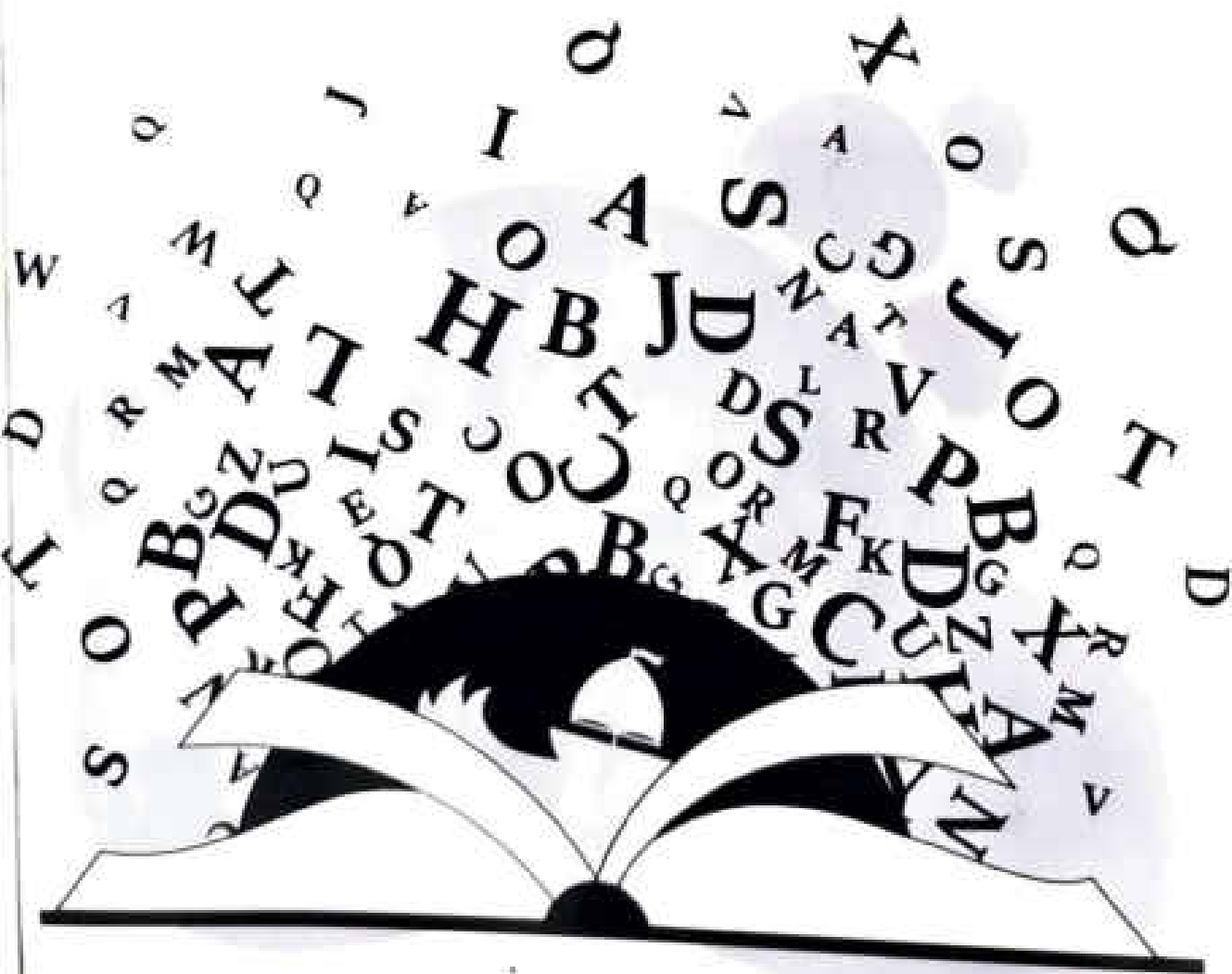
Since the dawn of civilization, mathematics has been essential to solving problems and comprehending the underlying laws of the universe. Among the many mathematical systems that have been established throughout history, Vedic mathematics stands

out as a distinctive and potent approach. Vedic mathematics, which has its origins in the ancient Indian texts known as the Vedas, provides a comprehensive and natural way to conduct calculations. This article explores the concepts, methods, and applications of Vedic mathematics, emphasising its relevance to contemporary society.

- 1- **The beginnings of Vedic mathematics:** what was the origin of Vedic mathematics? The thousands of years-old Indian scriptures known as the Vedas are where Vedic mathematics first appeared. The Vedic mathematics sutras (aphorisms) and sub-sutras were developed by ancient scholars as clear and elegant rules for computation. The system was preserved through oral tradition and later compiled by Swami Bharati Krishna Tirthaji Maharaja (1884–1960), the former Jagadguru Shankaracharya of Govardhana matha, Puri, in his book "VEDIC MATHEMATICS OR Sixteen Simple Mathematical Formulae from the Vedas."
- 2- **The 16 Sutras and Sub-Sutras:** The 16 sutras (aphorisms) and the accompanying sub-sutras (corollaries) are the essence of Vedic mathematics. These sutras act as a set of rules for numerous mathematical procedures, streamlining intricate computations. Some of the well-known sutras include "Ekadhikena Purvena" (by one more than the previous sutra), "Nikhilam Navatashcaramam Dashatah" (all from 9 and the last from 10), and "Urdhva-Tiryagbhyam" (vertically and crosswise). Each sutra has particular sub-sutras that broaden its scope of use. The sixteen sutras and the thirteen sub-sutras form the foundation of Vedic mathematics. Therefore, tables 1 and 2 below list all 16 sutras and 13 sub-sutras with their respective meanings.

NATIONAL EDUCATION POLICY 2020

TRANSFORMATIONAL REFORMS IN EDUCATION



EDITED BY
DR. HARISH KUMAR YADAV

REDMAC.Se

**NATIONAL EDUCATION POLICY 2020: TRANSFORMATIONAL REFORMS IN
EDUCATION**

Edited by DR. HARISH KUMAR YADAV

RED'SHINE PUBLICATION

62/5834 Harplingegränd 110, LGH 1103. Älvsjö, 12573

Stockholm, Sweden

Call: +46 761508180

Email: info.redshine.se@europe.com

Website: www.redshine.se

Text © *Editors*, 2023

Cover page © REDMAC, Inc, 2023

ISBN: 978-91-89764-43-9

ISBN-10: 91-89764-43-9

DIP: 18.10.9189764439

DOI: 10.25215/9189764439

Price: kr 150

First Edition: September, 2023

Alla rättigheter förbehållna. Ingen del av denna publikation får reproduceras eller användas i någon form eller på något sätt - fotografiskt, elektroniskt eller mekaniskt, inklusive fotokopiering, inspelning, bandning eller informationslagring och -hämtningssystem - utan föregående skriftligt tillstånd från författaren och utgivaren.

The views expressed by the authors in their articles, reviews etc. in this book are their own. The Editors, Publisher and owner are not responsible for them.

De åsikter som författarna uttrycker i deras artiklar, recensioner i denna bok är deras egna. Redaktörerna, utgivaren och ägaren ansvarar inte för dem.

Printed in Stockholm | Title ID: 9189764439

28	NEP 2020: DIGITAL AND TECHNOLOGICAL INTEGRATION IN EDUCATION Ms. Neha Jindal Agarwal	297
29	NATIONAL EDUCATION POLICY –2020 AND HIGHER EDUCATION: A ROAD TOWARDS REFORM Govind Singh, M. Kannan	308
30	NEW EDUCATION POLICY: ANALYTICAL STUDY Ms. Mahima Sharma	327
31	NATIONAL EDUCATION POLICY 2020 IN HIGHER EDUCATION Sandhya Yadav	334
32	INDIA'S NEW EDUCATION POLICY, 2023: UNRAVELING ITS IMPLICATIONS. Shivani	342
33	NATIONAL EDUCATION POLICY, 2020: A WAY AHEAD Dr. Rahul Yadav	352
34	SUSTAINABLE DEVELOPMENT GOAL 4 AND NATIONAL EDUCATION POLICY 2020 Dr. Homesh Rani Gaur	365
35	POTENTIAL CHALLENGES OF INDIA'S NATIONAL EDUCATION POLICY 2020 Parama Kundu	377
36	BRIDGING KNOWLEDGE AND EMPLOYABILITY: NEP 2020'S JOURNEY OF TRANSFORMATION Alok Bijalwan	391
37	REFORMING HIGHER EDUCATION, IMPACT OF NEW EDUCATION POLICY (NEP 2020): FUTURE PROSPECTIVE AND CHALLENGES Dr. Sanjay Agrawal	401

CHAPTER 36

BRIDGING KNOWLEDGE AND EMPLOYABILITY: NEP 2020'S JOURNEY OF TRANSFORMATION

*Alok Bijalwan*¹



ABSTRACT:

"Unlocking the Nexus of Knowledge and Employability: A Transformative Expedition under NEP 2020" The National Education Policy (NEP) 2020 heralds a new epoch in Indian higher education, where knowledge creation and utilization are pivotal to national progress. As custodians of knowledge, higher education institutions play a critical role in this paradigm shift, tasked with generating and harnessing information to propel the nation forward. This article delves into the multifaceted journey orchestrated by NEP 2020, exploring its impact on knowledge creation, employability enhancement, and entrepreneurship incubation.

The framework for advancing knowledge creation is underscored by NEP 2020's recognition of a vibrant research culture within institutions. Facilitating this entails creating an environment that kindles curiosity, encourages interdisciplinary collaboration, and nurtures the growth of both educators and students. Institutions can achieve this by investing in research infrastructure, fostering interdisciplinary collaboration, and promoting faculty and student engagement.

In applying this newly minted knowledge for national benefit, a collaborative interplay between academia and industry is indispensable. NEP 2020's vision aligns with the imperative of bridging the gap between theoretical knowledge and practical application. Encouraging joint research initiatives, technology transfer, policy consultations, and community participation,

¹ Assistant Professor, Department of English, Rajkiya Mahavidyalaya Chinyalisaur, Uttarakhand. Email: alokbijalwan89@outlook.com

National Education Policy 2020

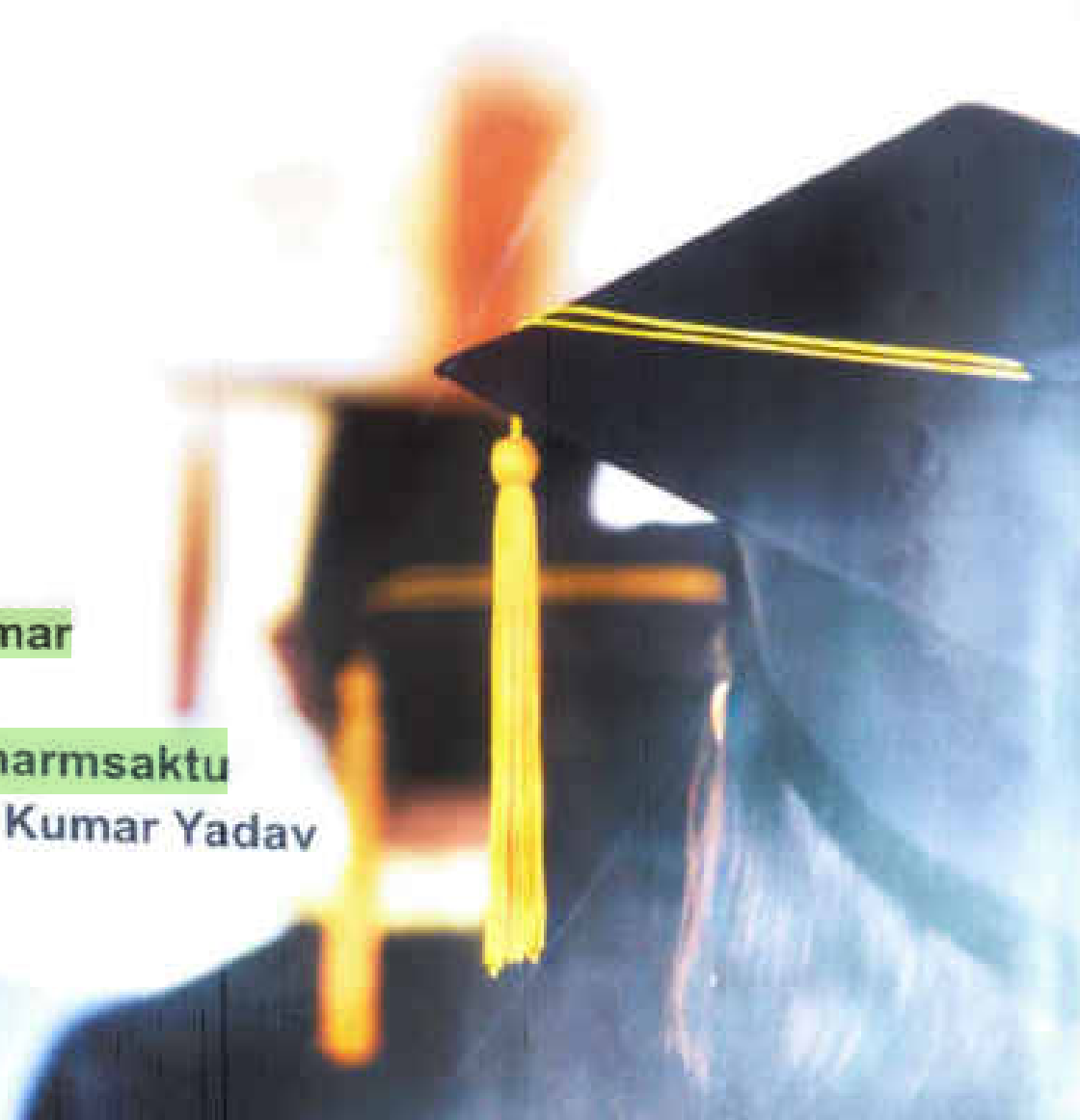
Reforms in Indian Education System

Vineet Kumar

Kuldeep

Deepak Dharmsaktu

Dr. Harish Kumar Yadav



Published by:

P.K. Publishers & Distributors

J-231/1A, Gali No. 14, 4th Pushta,
Kartar Nagar, Delhi-110053

Mobile: +91 95404-83251, +91 79825-51449

E-mail: pkpublication@gmail.com

Website: www.pkpublishers.com

**National Education Policy 2020
Reforms in Indian Education System**

© Authors

Edition: First, 2023

ISBN: 978-81-19428-51-9

All rights reserved no part of this work may be reproduced, stored in a retrieval system, or transmitted in any form or by any means, electronic, mechanical, photocopying, recording or otherwise, without the prior written permission of the Publisher.

This Book has been published in good faith that the material provided by author is original. Every effort is made to ensure accuracy of material but the publisher and printer will not be held responsible for any inadvertent errors.

Printed in India

Published by P.K. Publishers & Distributors, Delhi-53, Laser Typeset by Garpol Computers & Technology (Soyla), Nawanshahr, Punjab. Printed at Sachin Printers, Delhi-53

Vineet Kumar

Assistant Professor,
Department of Political Science
Rajkiya Mahavidyalaya, Chinyalisaur,
Uttarkashi, Uttarakhand



Kuldeep

Assistant Professor,
Department of Education
Rajkiya Mahavidyalaya, Chinyalisaur,
Uttarkashi, Uttarakhand



Deepak Dharmsaktu

Assistant Professor,
Department of Geography
Rajkiya Mahavidyalaya, Chinyalisaur,
Uttarkashi, Uttarakhand



Dr. Harish Kumar Yadav

Assistant Professor (B.Ed. Dept.)
Ramchandra Uniyal Government
Post Graduate College Uttarkashi,
Uttarakhand



P.K. PUBLISHERS AND DISTRIBUTORS

J-231/1A, Gali No. 14, 4th Pusta,
Kartar Nagar, Delhi -110053
Mob: +919540483251, +917982551449
Email - pkpublication@gmail.com
Website - www.pkpublishers.com

₹ 1350/-

ISBN 978-81-9425-11-9



9 789781 942511 >

सामाजिक विज्ञान, भाषा और शिक्षा में बहु-विषयक दृष्टिकोण



संपादक-मंडल

डॉ. हरीश कुमार यादव

डॉ. दीपा मल्हेशिया

विनीत कुमार

सामाजिक विज्ञान, भाषा और शिक्षा में बहु-विषयक दृष्टिकोण

संपादक-मंडल

डॉ. हरीश कुमार यादव

डॉ. दीपा मल्लेशिया

विनीत कुमार



पी. के. पब्लिशर्स एंड डिस्ट्रीब्यूटर्स
दिल्ली-110053

प्रकाशक:

पी. के. पब्लिशर्स एंड डिस्ट्रीब्यूटर्स

जे-231 /A, गली नं. 14, चौथा पुस्ता,
करतार नगर, दिल्ली-110053

फोन: +919540483251, +91 7982551449

E-mail: pkpublications@gmail.com

Website: www.pkpublishers.com

सामाजिक विज्ञान, भाषा और शिक्षा में बहु-विषयक दृष्टिकोण

© सर्वाधिकार लेखकाधीन

प्रथम संस्करण: जुलाई, 2023

आई.एस.बी.एन. : 978-93-92239-92-2

भारत में मुद्रित:

पी. के. पब्लिशर्स एंड डिस्ट्रीब्यूटर्स, दिल्ली-53 के लिए प्रकाशित एवं गुरुपाल कम्प्यूटर्स,
नवांशहर (पंजाब) द्वारा शब्द संयोजन तथा सचिन प्रिंटर्स, मौजपुर, दिल्ली-53 में मुद्रिता